



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 147]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 2, 2010/ज्येष्ठ 12, 1932

No. 147]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 2, 2010/JYAISTHA 12, 1932

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी तथा संबद्ध शुल्क प्राधिकार संस्थान)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 जून, 2010

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय : चीन जन.गण. के मूल के या वहां से निर्यातित ग्लास फाइबर और उसकी वस्तुओं के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच—प्रारंभिक जांच परिणाम ।

सं. 14/28/2009-डीजीएडी.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली (जिसे आगे पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए ।

क. प्रक्रिया

2. निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है—

- (i) उपर्युक्त नियमों के अंतर्गत निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) को घरेलू उद्योग की ओर से मै. ओवेन्स कार्निंग इंडिया लि. मुंबई तथा मै. ओ सी वी रीइन्फोर्मेंट मैन्युफैक्चरिंग लि. हैदराबाद से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें चीन जन. गण. (जिसे आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित ग्लास फाइबर और उसकी वस्तुओं के पाटन का आरोप लगाया गया है ।
- (ii) आवेदन की प्रारंभिक जांच से कुछेक कमियों का पता चला जिन्हें बाद में आवेदक ने सुधार दिया था । अतः आवेदन को समुचित रूप से प्रलेखित माना गया ।
- (iii) जांच की शुरुआत को न्यायोचित रहराने के लिए आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों की जांच शुरू करने का निर्णय लिया ।
- (iv) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(5) के अनुसार जांच शुरू करने से पूर्व पाटन के आरोप की प्राप्ति के बारे में भारत में संबद्ध देश के दूतावास को अधिसूचित किया ।
- (v) प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए 8 जनवरी, 2010 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया ।

vi. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति समस्त ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यारे आवेदक ने उपलब्ध कराए थे) तथा उद्योग एसोसिएशनों को भेजी और उन्हें लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया ।

vii. प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की प्रति भारत में संबद्ध वस्तु समस्त ज्ञात आयातकों के पास ही भेजी और उन्हें पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने की सलाह दी ।

viii. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार प्राधिकारी ने आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की एक प्रति भारत में संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों और दूतावास को भेजी । आवेदन की एक प्रति अनुरोध करने पर अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उपलब्ध कराई गई ।

ix. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार प्राधिकारी ने संगत सूचना मांगने के लिए संबद्ध देश से निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को भी प्रश्नावलियां भेजीं ।

(क) चांगकिंग पोलीकोम्प इंटरनेशनल कार्प, ददुपोऊ जिला, चांगकिंग, चीन- 400082

(ख) जूसी ग्रुप कं. लि., 699, वेनहेम रोड (द.), टांगजियांग इकॉनामिक डेवलपमेंट जोन, तांगजियांग सिटी, झोजियांग प्रांत-314500, चीन

(ग) ताईसांग फाइबर ग्लांग इंक. इकॉनामिक डेवलपमेंट जोन, ताइआन, शेंगडोंग, चीन

(घ) जिबो पीपीजी सिनोमा जिनजिंग फाइबर ग्लास कं. लि., 202, झांगजिन रोड, जिबो, शेनडोंग प्रांत-255086

x. जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में चीन के निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने उत्तर दिया है:

(क) जूसी ग्रुप कं. लि. (जिसे आगे "जूसी, टांगजियांग" भी कहा गया है)

(ख) सीएनबीएम इंटरनेशनल कार्पो.

(ग) जूसी ग्रुप जिउजियांग कं. लि.

(घ) चेंगझाऊ न्यू चेंगहाई फाइबर ग्लास कंपनी लि. ("एन सी एच")

(ङ) जियांगशू चेंघाई कंपोजिट मैटीरियल्स होल्डिंग कं. लि. (ओ सी एच)

(च) जूसी ग्रुप चेंगहू कं. लि:

(छ) ताइसान फाइबर ग्लास इंक (सी टी जी या कंपनी)

(ज) ताइसान फाइबर ग्लास जूचेंग कं. लि. ("जूचेंग" कंपनी)

(झ) सिनोमा जिनजिंग फाइबर ग्लास कंपनी लि.

(ट) शेनडांग एस्ट न्यू मैटीरियल्स कं. लि.

(ठ) चाइना नेशनल मैटीरियल इंड इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पो. (सिनोमा इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट, कंपनी)

(ड) शेनडांग ताइसांग-पी-डी ओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि. ("पी बी ओ," कंपनी)

(च) पीपीजी सिनोमा जिनजिंग फाइबर ग्लास कंपनी लि.

(छ) सिनोमा जिनजिंग फाइबर ग्लास कं. लि.

xi. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजीः

कैमराक इंड. एंड एक्सपोर्ट्स लि., गांव अशोज, बड़ौदा, गुजरात.	पेन्टेयर वाटर इंडिया प्रा.लि., एल-52-55, वर्ना इंड इस्टेट, वर्ना, सेलसेट, गोआ
एमियानटिट फाइबर ग्लास इंडिया लि., प्लाट नं. 120 (भाग) 121, 177 (भाग) मैना रोड, गांव-नवेलिम, तालुका पिंचोलिम, उ. गोवा.	सुन्दरम ब्रेक लाइनिंग्स लि., पाडी, चेन्नई, 600050
ग्रेफाइट इंडिया लि. 523-524, गोडे ता. इगतपुरी नासिक, महाराष्ट्र	इंदौर कंपोजिट प्रा.लि. सेतना, चौथा तल, 55, महर्षि कर्वे रोड, मेरीन लाइन्स, मुंबई-400002
अक्स आप्टीफाइबर लि. बी-1/जे-1/1, मोहन कोआपरेटिव इंड इस्टेट, मथुरा रोड नई दिल्ली-110044	बालाजी फाइबर रिइन्फोर्समेंट प्रा.लि. सर्वे नं. 293-1 तथा 2 सकरदा भद्रव रोड पोइंचा चौराहे के निकट गांव - पोइंचा (खण्डी). तालुक- सावली, जिला बडोदरा
ओ के ग्लास फाइबर लि. 24, नवनंदन वन इंड इस्टेट रैली वुल्फ के सामने,	जूसी (इंडिया) एफआरपी एक्सेसरीज प्रा.लि. 310, क्रिएंटिव इंड इस्टेट एम एन जोशी मार्ग,

एल बी एस मार्ग, मुलुन्द (प.) मुंबई	मुंबई-400011
स्काई फाइबर ग्लास सोल्युशन प्रा.लि. बी-505, टिवन आर्कव, 5वां तल, मिलेट्री रोड, मरोल, अंधेरी (पू.) मुंबई-400059	आर्वी कंपोजिट्स प्रा.लि. ए-501, सफल पेगासस 100 फुटा रोड, प्रहलाद नगर, सेटेलाइट, अहमदाबाद-380015

xii. जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित आयातकों /प्रयोक्ताओं ने उत्तर दिया है:

- (क) मै. कैमराक इंड एंड एक्सपोर्ट लि., इंडिया
- (ख) मै. जूसी (इंडिया) एफ आर पी एक्सेसरीज प्रा.लि.
- (ग) मै. ग्रेफाइट इंडिया लि.
- (घ) मै. पैसीफिक पाइप सिस्टम प्रा.लि.
- (ङ) मै. एस के वाई फाइबर ग्लास सोल्यूशन प्रा.लि.
- (च) मै. ई पी पी कंपोजिट्स प्रा.लि.
- (छ) मै. बालाजी फाइबर रिइन्फोर्स
- (ज) मै. आर्वी कंपोजिट्स प्रा.लि.

xiii. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया जिसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षणार्थ खुला रखा ।

xiv. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी । संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता के दावे स्वीकार किए हैं और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है जिसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष प्रकट नहीं किया गया है । जहां संभव हुआ है गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण प्रदान करने का निर्देश दिया गया था ।

xv. आवेदक तथा अन्य घरेलू उत्पादकों से भी सूचना मांगी गई थी ।

xvi. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन लागत और उसे बनाने तथा बेचने की लागत के आधार पर क्षति रहित कीमत निकाली गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा;

xvii. यह जांच 1 अप्रैल, 2008 से 30 सितंबर, 2009 तक की अवधि (जांच अवधि) के लिए की गई थी । क्षति विश्लेषण के संबंध में प्रवृत्तियों की जांच में वर्ष 2005-06, 2006-07, 2007-08 की अवधि तथा जांच अवधि शामिल है ।

ख. विचाराधीन उत्पाद तथा समान घरेलू वस्तु

ख.1 विचाराधीन उत्पाद

3. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद ग्लास रोबिंग, ग्लास चोकड स्ट्रांड्स, ग्लास चोकड स्ट्रांड्स मैट्स सहित फाइबर ग्लास तथा उसकी वस्तुएं हैं। विचाराधीन उत्पाद के दायरे में विशेष रूप से न लाई गई वस्तुएं हैं- ग्लास वूल, ग्लास यार्न, ग्लास से बुने गए फैब्रिक तथा थर्मोप्लास्टिक अनुप्रयोगों के लिए नियत पॉली यूरोथिन अथवा एकेलिक एमल्सन से सामान्यतः उपचारित चोकड स्ट्रांड्स।

4. ग्लास फाइबर की वस्तुओं का निर्माण ग्लास के अत्यंत परिष्कृत फाइबर से किया जाता है। ग्लास फाइबर की वस्तुएं अनिवार्यतः रिइन्फोर्समेंट सामग्री होती है। ग्लास फाइबर की वस्तुओं के विभिन्न उपयोगों में थर्मल इंसुलेशन, इलैक्ट्रीकल इंसुलेशन विभिन्न सामग्री का रिइन्फोर्समेंट, टेंट पोल, ध्वनि अपशोषण, ताप एवं क्षरणरोधी वस्त्रों, उच्च क्षमता के फैब्रिक, कोलवाल्ट कोल, ऐरो बाओज तथा क्रास बाओज, ट्रांसुलसेंट रूफिंग पैनल, आटोमाटिव बॉडियों, हॉकी स्टिक, सर्फबोर्ड्स, बोट हुल्स तथा पेपर हनीकॉम्ब शामिल हैं। संबद्ध वस्तु सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 70 के उपशीर्ष सं. 7019 के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि, सीमा शुल्क वर्गीकरण के संदर्भ के प्रयोजनार्थ है और यह वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

घरेलू उद्योग द्वारा व्यक्त विचार

- (क) वर्तमान आवेदन में विचाराधीन उत्पाद "ग्लास वूल, ग्लास यार्न, ग्लास से बुने फैब्रिक तथा थर्मोप्लास्टिक अनुप्रयोगों के लिए नियत चोकड स्ट्रांट को छोड़कर ग्लास फाइबर और उसकी वस्तुएं हैं।"
- (ख) विभिन्न प्रकार के ग्लास फाइबर का उत्पादन एक समान कच्ची सामग्री के उपयोग से किया जाता है और उसमें समान उत्पादन प्रक्रिया अपनाई जाती है।
- (ग) विश्व भर के विनिर्माताओं द्वारा उत्पादित कई ग्लास फाइबर उपभोक्ताओं के विभिन्न विशिष्ट अंतिम अनुप्रयोगों को पूरा करने के लिए होते हैं। अतः किसी उत्पादक द्वारा विभिन्न प्रकार का उत्पादन अनेक वाणिज्यिक एवं तकनीकी मापदंडों पर निर्भर होते हैं। घरेलू उद्योग के पास उत्पाद के वैश्विक प्रतिस्पर्धियों, जो वस्तुतः उत्पाद के निवेशक हैं, के साथ संबद्धता के कारण सभी प्रकार के ग्लास का उत्पादन करने की तकनीकी क्षमताएं हैं।
- (घ) जांच के दायरे से किसी भी प्रकार के ग्लास फाइबर को अलग नहीं रखा जाना चाहिए। किसी विशेष प्रकार का उत्पादन वाणिज्यिक कारकों की वजह से नहीं किया जाता है (देश में मुख्यतः पर्याप्त मांग की उपलब्धता और सच यह है कि इसका उत्पादन भारत के बाहर स्थित समकक्षों द्वारा किया जा रहा है)।

हितबद्ध पक्षकारों के विचार

ख II रमन फाइबर साइंस प्रा.लि.

- (क) यह कंपनी चीन से माइक्रो ग्लास फाइबर की आयातक है जो एक विशिष्टता युक्त उत्पाद है और ग्लास फाइबर से भिन्न है।

(ख) माइक्रो ग्लास फाइबर का उपयोग बैटरी सेपरेटरों तथा उच्च क्षमता वाली वात एवं तरल फिल्टर मीडिया में किया जाता है। इसकी विशेष विनिर्माण प्रक्रिया होती है।

(ग) कम व्यास के इस विशेष ग्लास फाइबर का कोई घरेलू विनिर्माता नहीं है।

(घ) हम सेपरेटरों का उत्पादन करने के लिए माइक्रो ग्लास फाइबर का आयात कर रहे हैं जिसका उत्पादन भारत में पहली बार हो रहा है। इसका पहले आयात किया गया है।

(ङ) हमारे आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।

(च) कंपनी द्वारा आयातित वस्तु का बीजक विवरण "ग्लास वूल" है जिसे विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अलग रखा गया है।

(छ) कंपनी ग्लास टिशू का आयात करती है जो सीमाशुल्क शीर्ष 70199000 (अन्य) के अंतर्गत आता है और इसे जांच के दायरे से अलग रखा जाना चाहिए।

(ज) आयातित माइक्रो ग्लास फाइबर को वर्जित श्रेणी में आना चाहिए।

ख III एच बी एल पावर सिस्टम लि.

(क) यह कंपनी भारत में लैड एसिड बैटरियों का विनिर्माण करती है। यह चीन से एजीएम बैटरी सेपरेटरों का आयात करती है क्योंकि इसका घरेलू विनिर्माण नहीं होता है।

(ख) माइक्रो ग्लास फाइबर ऐसी कच्ची सामग्री है, जिसका उपयोग बैटरी सेपरेटर के विनिर्माण में किया जाता है। कंपनी की योजना भारत में अपने खुद के बैटरी सेपरेटर विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की है।

(ग) चीन से माइक्रो ग्लास फाइबर का आयात इसलिए किया जाता है क्योंकि इसका घरेलू उत्पादन नहीं होता है और इस प्रकार इससे घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है।

ख IV प्राधिकारी द्वारा जांच

5. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में यथापरिभाषित विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र निम्नानुसार है:-

वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद ग्लास रोबिंग, ग्लास चोकड स्ट्रांड्स, ग्लास चोकड स्ट्रांड्स मैट्स सहित फाइबर ग्लास तथा उसकी वस्तुएं हैं। विचाराधीन उत्पाद के दायरे में विशेष रूप से न लाई गई वस्तुएं हैं- ग्लास वूल, ग्लास यार्न, ग्लास से बुने गए फैब्रिक तथा थर्मोप्लास्टिक अनुप्रयोगों के लिए नियंत्रित पॉली यूरोथिन अथवा एक्रेलिक एमल्सन से सामान्यतः उपचारित चोकड स्ट्रांड्स।

6. ग्लास फाइबर की वस्तुओं का निर्माण ग्लास के अत्यंत परिष्कृत फाइबर से किया जाता है। ग्लास फाइबर की वस्तुएं अनिवार्यतः रिइन्फोर्समेंट सामग्री होती है। ग्लास फाइबर की वस्तुओं के विभिन्न उपयोगों में थर्मल इन्सुलेशन, इलैक्ट्रीकल इन्सुलेशन विभिन्न सामग्री का रिइन्फोर्समेंट, टेंट पोल, ध्वनि अपशोषण, ताप एवं क्षरणरोधी वस्त्रों, उच्च क्षमता के फैब्रिक, कोलवाल्ट कोल, ऐरो बाओज तथा क्रास बाओज, ट्रांसुलसेंट रूफिंग पैनल, आटोमाटिव बॉल्डियों, हॉकी रिट्क, सर्फबोड्स, बोट हुल्स तथा पेपर हनीकॉम्ब शामिल हैं। संबद्ध वस्तु सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 70 के उपशीर्ष सं-

2019 के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि, सीमाशुल्क वर्गीकरण के संदर्भ के प्रयोजनार्थ है और यह वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

7. ग्लास फाइबर ग्लास का अत्यंत परिष्कृत फाइबर होता है। कुछ सामग्री को पूर्व निर्धारित संरचना में लाया जाता है, बैच प्रक्रिया में उसे भट्टी में उच्च तापमान पर गलाया जाता है। गलाई गई सामग्री फाइबर तैयार करने के लिए बूसिंग के जरिए तैयार की जाती है। फाइबरीकरण की प्रक्रिया के तहत कुछ रसायनों का प्रयोग किया जाता है और सामग्री का शोधन किया जाता है। इस प्रकार से उत्पादित फाइबर को वस्तुओं की व्यापक किस्म प्राप्त करने के लिए आफ लाइन या ऑन लाइन आगे प्रसंस्कृत किया जाता है। आफ लाइन या ऑन लाइन प्रक्रिया में अतिरिक्त संयंत्र या उपकरणों को शामिल किया जा सकता है।

8. याचिकाकर्ताओं ने यह तर्क दिया है कि सभी प्रकार के ग्लास फाइबर में अनिवार्यतः समान भौतिक एवं तकनीकी विशेषताएं हैं। उसके उत्पादन की प्रक्रिया में अनिवार्यतः समान प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाता है; इसका उत्पादन समान कच्ची सामग्री के उपयोग से किया जाता है, इसके कार्य समान होते हैं (अर्थात् रिइन्फोर्समेंट सामग्री की तरह), कीमत समान होती है। अंतिम अनुप्रयोगों पर निर्भर रहते हुए ग्लास फाइबर का उत्पादन कई प्रकार के अलग-अलग रूप में किया जाता है जो निम्नलिखित उत्पाद गुणधर्मों के संबंध में विशिष्ट हैं-

(क) उत्पाद का स्वरूप - फाइबर ग्लास के विभिन्न स्वरूपों को रोबिंग, प्रत्यक्ष रोबिंग, वल्मेनाइज्ड प्रत्यक्ष रोबिंग, ड्राइ यूज्ड चोक स्ट्राउ, वेट यूज्ड चोक स्ट्राउ, इमल्सन बाइंडर के साथ चोकड स्ट्राउ मैट, पाउडर बाइंडर से युक्त चोकड स्ट्राउ मैट, इमल्सन बाइंडर वाली कंटीन्यूअस फिलामेंट मैट, पाउडर बाइंडर युक्त कंटीन्यूअस फिलामैट मैट के जरिए किया जा सकता है।

(ख) घनत्व-ग्लास फाइबर का उत्पादन अलग-अलग घनत्व/लाइनियर घनत्व में किया जा सकता है। ग्लास फाइबर के घनत्व और लाइनियर घनत्व को क्रमशः जी एस एम (अर्थात् ग्राम प्रति वर्ग मीटर) तथा टैक्स (ग्राम/किलोमीटर) के संबंध में मापा जाता है।

9. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों से वर्जन के बारे में प्राप्त अनुरोधों की जांच की है और यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान बैटरी सेपरेटर, सर्फेस मैट/ सर्फेस व्हील, टीशू में प्रयुक्त माइक्रोग्लास फाइबर का उत्पादन नहीं किया है। इसके अलावा, इस प्रकार के उत्पादन के लिए कुछेक अतिरिक्त उत्पादन सुविधाओं की जरूरत होती है जो घरेलू उद्योग के पास नहीं हैं।

10. अतः प्राधिकारी ने आगे जांच के अधीन रहते हुए वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ उत्पाद के इन प्रकारों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे और उपायों से अनंतिम रूप से अलग रखा है। इस प्रकार प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद ग्लास रोबिंग, ग्लास चोकड स्ट्राउस, ग्लास चोकड स्ट्राउस मैट्स सहित फाइबर ग्लास तथा उसकी वस्तुएं हैं। विचाराधीन उत्पाद के दायरे में विशेष रूप से न लाई गई वस्तुएं हैं- ग्लास बूल, ग्लास यार्न, ग्लास से बुने गए फैब्रिक तथा थर्मोप्लास्टिक अनुप्रयोगों के लिए नियत पॉली यूरोथिन अथवा एक्रेलिक एमल्सन से सामान्यतः उपचारित चोकड स्ट्राउस, बैटरी सेपरेटर में प्रयुक्त माइक्रो ग्लास फाइबर, सर्फेस मैट, सर्फेस व्हील/टीशू।

ख. V समान वस्तु

11. समान वस्तु के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में निम्नानुसार उपबंध है:

"समान वस्तु" का अर्थएक ऐसी वस्तु है जो भारत में पाटन के लिए जांच के अधीन वस्तु के समान हो या प्रत्येक दृष्टि से उसके जैसी हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य ऐसी वस्तु जो यद्यपि प्रत्येक दृष्टि से समान न हो तब भी उसमें जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हों।"

12. आवेदक ने दावा किया कि आवेदक के उत्पाद और संबद्ध देश के निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है और ये भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य तथा उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वस्तु के वितरण एवं विपणन तथा टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के रूप में तुलनीय हैं और आवेदक द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई खास अंतर नहीं है और यह दोनों तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं।

13. प्राधिकारी ने इस मामले की जांच की है और यह नोट करते हैं कि भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु भौतिक और रासायनिक विशेषताओं विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य तथा उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वस्तु के वितरण एवं विपणन तथा टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के रूप में तुलनीय हैं और आवेदक द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई खास अंतर नहीं है। यह दोनों तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता दोनों का अदल-बदल कर उपयोग कर रहे हैं। इस संबंध में किसी विरोधी हितबद्ध पक्षकार ने कोई आपत्ति नहीं की है। पाटनरोधी नियमावली के अनुसार याचिकाकर्ता कंपनियों द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु के समान वस्तु माना जा रहा है।

ग. घरेलू उद्योग का क्षेत्र एवं आधार

14. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग की परिभाषा निम्नानुसार है:

"घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा।

15. यह याचिका घरेलू उद्योग के रूप में मै. ओवन्स कार्निंग इंडिया लि., मुंबई और मै. ओसीवी रिंकोर्समेंट मैन्यू. लि., हैदराबाद द्वारा दायर किया गया है और इसका समर्थन गोवा ग्लास फाइबर लि., मुंबई ने किया है। जांच की शुरूआत के बाद गोवा ग्लास फाइबर ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में सूचना प्रदान की है। गोवा ग्लास द्वारा प्रदत्त सूचना का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के जरिए हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराया गया था।

चाइना ग्लास फाइबर इंडस्ट्री एसो. के विचार

(क) यह जांच पाटनरोधी नियमावली के अनुसार घरेलू उद्योग की जरूरत को पूरा नहीं करती है ।

(ख) दोनों आवेदक कंपनियां मै. ओवन्स कार्निंग (इंडिया) लि. और मै. ओ सी वी रीइन्फोर्समैट मैन्युफैक्चरिंग लि. चीन के कई निर्यातकों से संबद्ध हैं ।

(ग) कंपनियों द्वारा किए गए आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराए गए हैं परंतु उनकी संबद्ध कंपनियों द्वारा आयातकों को किए गए निर्यातों के ब्यौरे कंपनियों ने अभी तक उपलब्ध नहीं कराए हैं ।

(घ) प्राधिकारी को भ्रमित करने की कार्रवाई सोच समझकर की गई है और संबद्ध निर्यातक का नाम भी निर्यातकों की सूची में नहीं दर्शाया गया है ।

(ङ) कानून के अनुसार आधार सिद्ध करने का दायित्व घरेलू उद्योग पर है ।

16. प्राधिकारी नोट करते हैं कि एक आवेदक ने पूर्ववर्ती वर्ष अर्थात् 2005-07 के दौरान विचाराधीन उत्पाद की कुछ मात्रा का आयात किया था, जिसके बारे में कंपनी ने दावा किया कि उसने अनिवार्य स्थितियों में अपना उत्पादन बंद रहने के समय संबद्ध वस्तु का आयात किया था । कंपनी का उत्पादन महाराष्ट्र में बाढ़ के समय बाधित हो गया था । तथापि, अपनी विशिष्ट जरूरतों को पूरा करने के लिए कंपनी ने उत्पाद का आयात किया और उसकी बिक्री की । चूंकि विचाराधीन उत्पाद के ये आयात उत्पादन के अस्थायी स्थगन के समय किए गए हैं न कि जांच अवधि के दौरान, इसलिए प्राधिकारी यह मानते हैं कि इन आयातों से घरेलू उद्योग के रूप में अहं ठहरने के लिए कंपनी का आधार गलत सिद्ध नहीं होता है । एक आवेदक द्वारा ग्लास फाइबर के कुछ प्रकारों को नियमित आयात किया जा रहा है जो वर्तमान यांचिका में विचाराधीन उत्पाद के दायरे में नहीं आते हैं । चूंकि ये आयात विचाराधीन उत्पाद के दायरे में आने वाले उत्पाद नहीं हैं, इसलिए इन उत्पादों का आयात वर्तमान प्रयोजनार्थ किसी भी रूप में असंगत है । इसके अलावा एक आवेदक ने जांच अवधि के दौरान चीन जन.गण. से विचाराधीन उत्पाद के एक प्रकार का अल्प मात्रा में आयात किया है । कंपनी ने अनुरोध किया है कि ये आयात बैंच मार्किंग प्रयोजनों के लिए किए गए हैं क्योंकि उसके एक ग्राहक ने गुणवत्ता संबंधी मुद्दा उठाया था और उत्पाद की गुणवत्ता में कोई अंतर न होने की पुष्टि करने के लिए उक्त ग्राहक को चीन का उत्पाद उपलब्ध कराया गया था । जांच के उपरांत प्राधिकारी यह मानते हैं कि इन आयातों की मात्रा अति अल्प (कुल आयातों का लगभग 0.1%, भारत में मांग का 0.05% तथा भारत के उत्पादन का 0.06%) है । यह भी माना जाता है कि कंपनी का ध्यान देश के भीतर उत्पादन पर लगातार बना हुआ है और उसने आयातों का सहारा नहीं लिया है । कंपनी ने प्रतिकूल व्यवहार नहीं किया है जो इन आयातों के कारण अन्य भारतीय उत्पादकों के प्रतिकूल हो । प्राधिकारी आगे घरेलू उद्योग के इस दावे को नोट करते हैं कि ये आयात या तो कंपनी ने किए हैं या उसने ऐसा करने की व्यवस्था की है और उसके बाद उसकी आपूर्ति ग्राहकों को की है, जिन्होंने घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्त उत्पादों के संबंध में गुणवत्ता के मुद्दे उठाए थे ।

17. अतः पूर्वोक्त के मद्देन्जर प्राधिकारी यह मानते हैं कि विचाराधीन उत्पाद का अल्प मात्रा में आयात किए जाने से नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग को पात्र माने जाने के बारे में कंपनी का आधार निष्कल नहीं हो जाता है ।

18. जहां तक ओवन्स कार्निंग इंडिया द्वारा भारत को किए गए निर्यातों की मात्रा के बारे में चाइना ग्लास फाइबर इंड एसो. के तर्कों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातिक से संबद्ध चीन के उत्पादक ने कंपनी द्वारा किए गए कुल निर्यातों की पुष्टि करते हुए प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराया है। अतः यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने कंपनी द्वारा किए गए निर्यातों पर विचार किया है और इससे स्थिति खराब नहीं होती है। चीन की संबद्ध कंपनी ने उसके द्वारा प्रदत्त सूचना का सत्यापन करने की कोशिश की है।

19. नियम 2(ख) के प्रावधान तथा इस मामले के तथ्यों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर तीनों कंपनियों को पात्र घरेलू उत्पादक मानना उचित समझते हैं।

20. अतः प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि यह आवेदन पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और नियम 5(3) की अपेक्षाओं को पूरा करता है। इसके अलावा, मै. ओवन्स कार्निंग इंडिया लि., मै. ओसीवी रिइन्कोर्समैंट मैन्यु. लि. और मै. गोवा ग्लास फाइबर लि. को पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर "घरेलू उद्योग" माना जा रहा है।

घ. पाटन मार्जिन

घरेलू उद्योग के अनुरोध

21. घरेलू उद्योग ने अन्य बातों के साथ-साथ यह कहते हुए यह तर्क दिया है कि चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना चाहिए कि:

(क) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा उस स्थिति में प्रदान नहीं किया जा सकता, जब प्रमुख शेयरधारकों में से एक राज्य की स्वामित्व वाली/नियंत्रित कंपनी हो - घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि यूरोपीय आयोग ने निरंतर यह माना है कि ऐसे मामलों में राज्य के हस्तक्षेप से इंकार नहीं किया जा सकता जिनमें राज्य की स्वामित्व वाली/नियंत्रित कंपनी का पर्यात हिस्सा होता है। यह तर्क दिया गया है कि यह केवल विगत हस्तक्षेपों का ही प्रश्न नहीं है, अपितु बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करने के लिए संगत पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद भविष्य में संभावित राज्य के हस्तक्षेप की संभावना ही है।

(ख) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि चीन के प्रतिवादी निर्यातिक यह सिद्ध नहीं करते हैं कि प्रमुख निविष्टियों की कीमत में बाजार मूल्यों का पर्याप्त प्रदर्शन होता है: घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि "बाजार मूल्यों का पर्याप्त प्रदर्शन" की व्यापक व्याख्या की गई है ताकि यह अर्थ निकाला जा सके कि इन निविष्टियों की कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रचलित कीमतों से तुलनीय होनी चाहिए। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि यह तथ्य अत्यंत अपर्याप्त है ऐसी कीमतें चीन जन.गण. में प्रचलित कीमत से तुलनीय हैं।

(ग) प्रमुख निविष्टियों में उपयोगिताएं शामिल होती हैं: घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि संबद्ध उत्पादों के उत्पादन हेतु उपयोगिता की एक प्रमुख मद के रूप में विद्युत तथा ईंधन की जरूरत होती है। यह स्पष्ट है कि यद्यपि, विद्युत आपूर्तिकर्ता राज्य की स्वामित्व वाली कंपनी है। तथापि, ईंधन के आपूर्तिकर्ता के बारे में अपर्याप्त सूचना उपलब्ध है। निर्यातिकों ने यह सिद्ध नहीं किया है कि उपयोगिताओं की कीमत में उचित बाजार मूल्य प्रदर्शित होते हैं।

(घ) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा जब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि प्रतिवादी निर्यातिक यह सिद्ध नहीं करते हैं कि उनकी बहियों की लेखा परीक्षा अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुरूप की जाती है: घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि चीन के निर्यातिकों ने बार-बार ऐसी स्थितियों में बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार को खारिज करने के लिए यूरोपीय आयोग के व्यवहार का खंडन किया

है, जिनमें चीन के निर्यातक यह सिद्ध करने में असमर्थ रहे हैं कि उनकी बहियां चीनी जीएएपी के संगत हैं। ऐसे मामलों में चीन की कंपनियां यह तर्क देती आ रही हैं कि अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुपालन पर जोर देने की जरूरत कानून के दायरे में नहीं आती हैं।

(ङ) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब भी प्रदान नहीं किया जा सकता जब एक भी मापदंड पूरा नहीं होता है: घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि यूरोपीय आयोग ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक चीन के प्रतिवादी निर्यातक नियमों में निर्धारित प्रत्येक मापदंड के संबंध में जांच पर खरे नहीं उतरते हैं।

(च) सिद्ध करने का भार/दायित्व: घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि यह दायित्व प्राधिकारी का नहीं है कि वह यह सिद्ध करे कि प्रतिवादी कंपनियां बाजार अर्थव्यवस्था के वातावरण में वस्तुतः प्रचालन कर रही हैं और वे बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार की पात्र हैं। इसके विपरीत यह सिद्ध करना चीन के प्रतिवादी निर्यातकों का दायित्व है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन कर रहे हैं।

(छ) रूपांतरण: घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि ऐसी स्थिति में जहां वर्तमान शेयरधारकों ने स्वयं अपनी उत्पादन सुविधाएं स्थापित नहीं की हैं परंतु उन्होंने किसी दूसरे पक्षकार से इन्हें हासिल किया है, वहां बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक दस्तावेजी साक्ष्य के जरिए रूपांतरण की प्रक्रिया की पूर्णतः पुष्टि न की गई हो।

22. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि चीन के प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा उपर्युक्त कई शर्तों को पूरा करने में विफल रहना यह मानने के लिए पर्याप्त है कि चीन की प्रतिवादी कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता और इस प्रकार सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के पैरा 7 के अनुसार किया जाना चाहिए।

अन्य हितवद्धु पक्षकारों के अनुरोध

(क) देश के विकास के स्तर और विचाराधीन उत्पाद को ध्यान में रखते हुए उचित ढंग से समुचित तीसरे देश के चयन के बारे में नियमों में उपबंध है।

(ख) चीन में सामान्य मूल्य की पुष्टि करने के लिए दक्षिण कोरिया उचित प्रतिनिधिक देश नहीं है। उनके चयन के बारे में आवेदकों ने कोई कारण नहीं दिया है। इसके अलावा, द. कोरिया का निर्यातक एक संबद्ध निर्यातक है और इस प्रकार वह सामान्य मूल्य के निर्धारण हतु उचित नहीं है।

घ.1 सामान्य मूल्य

23. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में डब्ल्यू टी ओ के अन्य सदर्यों के द्वारा पाटनरोधी जांचों में चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) के अनुसार चीन जन.गण. को प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है जो निर्यातक देश अथवा अलग-अलग निर्यातकों द्वारा उपर्युक्त नियमों के अनुसार उपर्युक्त अनुमान के खंडन के अधीन है।

24. यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध । के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन के निर्यातिक (निर्यातकों) द्वारा पैराग्राफ 8 के उप पैरा(3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराते हैं और उसके विपरीत सिद्ध करते हैं । चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के निर्यातिकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार विषयक प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों पर विचार कर सकें कि क्या :-

- (क) कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;
- (ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बहु खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;
- (ग) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
- (घ) विनिमय दर का परिवर्तन ब्याज की दर पर किया जाता है ।

25. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातिकों ने प्रश्नावली के अपने उत्तर प्रस्तुत किए हैं और उनमें से 2 ने प्राधिकारी द्वारा जारी की गई जांच शुरूआत संबंधी सूचना के बाद बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है और गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन किया है । प्रतिवादी उत्पादकों तथा निर्यातिकों के प्रश्नावली के उत्तरों तथा बाजार अर्थव्यवस्था के उत्तरों की जांच संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातिकों के सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ निम्नानुसार की गई है :-

एन ई टी के इच्छुक प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातिक

मै. चेंगझाऊ न्यू चेंगहाई फाइबर ग्लास कंपनी लि. ("एन सी एच") और मै. जियांगशु चेंगहाई कंपोजिट मैटीरियल होल्डिंग कंपनी लि. (ओ सी एच)

26. मै. चेंगझाऊ न्यू चेंगहाई फाइबर ग्लास कंपनी लि. ("एन सी एच") ने संबद्ध वस्तु के उत्पादक तथा निर्यातिक के रूप में प्रश्नावली का उत्तर और बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तर (एम ई टी) दायर किया है । यह अनुरोध किया गया है कि मै. एन सी एच संबद्ध उत्पाद का उत्पादन करती है, घरेलू बाजार में उसकी बिक्री करती है और भारत सहित अन्य देशों को निर्यात करती है । संबद्ध उत्पाद के

विनिर्माण में एक संबद्ध कंपनी जियांगशु चैंगहाई कंपोजिट मैटीरियल्स होल्डिंग कंपनी लि. (ओसीएच) द्वारा उजरती कार्य आधार पर कुछ कार्यकलाप किए जाते हैं। एन सी एच की मूल कंपनी ओ सी एल संबद्ध पण्य वस्तु के कारोबार में शामिल है। श्री *** जो एन सी एच के निदेशक मंडल के अध्यक्ष हैं, वह ओ सी एच के निदेशक मंडल के अध्यक्ष भी हैं। श्री *** जो एन सी एच के निदेशक मंडल के निदेशक हैं, वह ओ सी एच के महाप्रबंधक हैं। ये ओ सी एच के प्रमुख शेयरधारक भी हैं। एम ई टी संबंधी अपने उत्तर में कंपनी ने यह अनुरोध किया है कि यह एक विदेशी (सहकारी अथवा इक्विटी) संयुक्त उद्यम है। एन सी एच के दो शेयरधारक अर्थात् ओ सी एच (पूर्ववर्ती चैंगज़ाऊ चैंगहाई जी एफ आर पी प्रोडक्ट्स कंपनी लि.), (ओ सी एच) हैं जिनकी शेयरधारिता ***% है और शेष ***% धारिता। एस पी एम के पास है। शेयरधारिता के महेनजर ओ सी एच का एन सी एच पर नियंत्रण है। यह अनुरोध किया गया है कि ओ सी एच प्रमुखतः परिवार के सदस्यों के स्वामित्व में है। तथापि, एम ई टी संबंधी प्रश्नावली के उत्तर में कंपनी ने राज्य/स्थानीय निकायों से निजीकरण हेतु रूपांतरण के किसी खाते का उल्लेख नहीं किया है। जहां तक कच्ची सामग्री की कीमत और इस बात का संबंध है कि क्या कच्ची सामग्री की आपूर्तिकर्ता निजी व्यक्ति अथवा राज्य या राज्य के उपक्रम हैं, यह नोट किया जाता है कि यद्यपि, कंपनी ने कुछ सूचना प्रस्तुत की है, तथापि यह सिद्ध नहीं किया गया है कि कच्ची सामग्री तथा उपयोगिता की कीमत में बाजार मूल्य ग्रसित होते हैं। अतः उनके उत्तर के आधार पर अनन्तिम रूप से यह निष्कर्ष निकालना संभव नहीं है कि उनकी कच्ची सामग्री तथा उपयोगिता की कीमत में बाजार मूल्यों का प्रदर्शन होता है। अतः स्वामित्व एवं नियंत्रण, लागत एवं कीमत पर उसके प्रभाव तथा कंपनी के व्यापारिक निर्णयों सहित मुद्दों की जांच और उनका सत्यापन लंबित रहने तक प्राधिकारी का मत यह है कि चीन जन.गण. के इस उत्पादक/निर्यातक को उसके सामान्य मूल्य के प्रारंभिक निर्धारण हेतु बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता।

27. प्रश्नावली के उत्तर से यह नोट किया जाता है कि संबद्ध उत्पादक तथा निर्यातक पर्याप्त घरेलू बिक्रियां करता है और उन्होंने भारत को की गई अपनी बिक्रियों तथा अन्य देशों को की गई निर्यात बिक्रियों के ब्यौरे प्रस्तुत कराए हैं। कंपनी उत्तरों की जांच की गई थी। यह नोट किया जाता है कि उत्पादक तथा निर्यातक ने संबद्ध स्वरूप में साप्ट कापी में सूचना प्रस्तुत नहीं की है और समस्त आंकड़े केवल चिपकाए गए हैं अतः प्रति जांच करना निर्यातक प्रश्नावली की विभिन्न परिशिष्टों में दिए गए आंकड़ों को जोड़ना और उनका मिलान करना संभव नहीं है। इस संबंध में अन्य कमियों का उल्लेख करते हुए कमी संबंधी पत्र सहयोगी निर्यातक तथा उत्पादक को भेजा जा रहा है।

चांगकिंग पोलीकॉम्प इंटरनेशनल कार्पो. (सीपीआईसी)

28. इस कंपनी ने यह अनुरोध किया है कि यह एक विदेशी (संयुक्त) उद्यम है। सी पी आई सी की स्थापना मूलतः 27 अगस्त, 1991 को की गई थी। स्थापना से ही सी पी आई सी चीन-विदेशी संयुक्त उद्यम रही है। सी पी आई सी के शेयरधारक यूनान युनसिनहुआ कं. लि. (***%, जिसे आगे "वाईवाईसीएल" कहा गया है, जो शंघाई स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध एक सार्वजनिक कंपनी है), सऊदी अरेबियन एम्यार्टिक कंपनी (***%, जिसे आगे "एस ए ए सी" कहा गया है, जो विश्व में ग्लास फाइबर रीइनफोर्स्ड प्लास्टिक पाइपों का निर्माण करने वाली सबसे बड़ी कंपनी है) तथा अन्य हैं यह अनुरोध किया गया है कि यद्यपि, वाई वाई सी एल का सबसे बड़ा शेयरधारक, यूनसिनहुआ गुप है, जो राज्य के स्वामित्व में है, सी पी आई सी के कारोबारी निर्णय राज्य के हस्तक्षेप से मुक्त होते हैं। कंपनी के उत्तर से यह सिद्ध नहीं हुआ है कि कच्ची सामग्री और उपयोगिता की कीमतों में बाजार मूल्य प्रदर्शित होते हैं। स्वामित्व एवं नियंत्रण, लागत एवं कीमत पर उसके प्रभाव तथा कंपनी के व्यापारिक निर्णयों सहित मुद्दों की जांच और उनका सत्यापन लंबित रहने तक प्राधिकारी का मत यह है कि चीन जन.गण. के इस उत्पादक/निर्यातक को उसके सामान्य मूल्य के प्रारंभिक निर्धारण हेतु बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता।

29. उत्पादक तथा निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर की परिशिष्ट-1 में भुगतान की शर्तों के बौरे नहीं दिए हैं। परिशिष्ट-2 में उन्होंने कमीशन तथा रिबेट के लेखे का उल्लेख नहीं किया है। इसके अलावा, वैट वापसी का उल्लेख परिशिष्ट-2 और 3 के में किया गया है। परिशिष्ट-3 से संबंधित सूचना अधूरी है क्योंकि विभिन्न कॉलमों में अपेक्षित काफी सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है। इसके अलावा, परिशिष्ट 4 और 7 के संबंध में विस्तृत सूचना भी प्रस्तुत नहीं की गई है। इस संबंध में सहयोगी निर्यातक तथा उत्पादक को कमी संबंधी पत्र भेजा जा रहा है।

अन्य उत्पादक/निर्यातक

30. जिन अन्य उत्पादकों तथा निर्यातकों ने एम ई टी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है और एम ई टी के व्यवहार का दावा किया है वे निम्नानुसार हैं:

जुसी ग्रुप चैंगदूँ कं. लि. (उत्पादक तथा निर्यातक)

जुशी ग्रुप कं.लि. (उत्पादक तथा निर्यातक)

जुशी ग्रुप जियूजियांग कं. लि.

चाइना नेशनल मैटीरियल्स इंडस्ट्री इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पो. (सिनोमा इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट दि कंपनी)

शेनडांग ताइवान-पीडीओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि.-उत्पादक तथा निर्यातक सी एन बी एम इंटरनेशन कार्पोरेशन

ताईसान फाइबर ग्लास इंक. (सी टी जी या कंपनी)

शेनडांग एस्ट न्यू मैटीरियल्स कंपनी लि.

ताईशान फाइबर ग्लास झाऊ चैंग कंपनी लि.

सिनोमा जिनजियांग फाइबर ग्लास कं. लि.

पी पी जी सिनोमा जिनजियांग फाइबर ग्लास कंपनी, लि.

सिनोमा जिनजियांग फाइबर ग्लास कं. लि.

31. यह नोट किया जाता है कि इनमें से किसी उत्पादक तथा निर्यातक ने एम ई टी उत्तर दायर नहीं किया है और उन्होंने इस उत्तर में एम ई टी व्यवहार का दावा भी नहीं किया है। प्राधिकारी स्मरण करते हैं कि यथासंशोधित पाटन्नरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन तभी किया जा सकता है यदि चीन जन.गण. के निर्यातक इसके विपरीत सिद्ध करने के लिए पैरा 8 के उप पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना तथा पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करें। इस मामले में चीन के संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों से बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा 3 में किए गए उल्लेख के अनुसार आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित था ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी संबद्ध नियमावली में सूचीबद्ध मानदंडों पर विचार कर सकें। तथापि, चूंकि इन उत्पादकों और/निर्यातकों में उपर्युक्त नियमावली के अनुसार बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है, इसलिए सामान्य मूल्य का परिकलन नीचे उल्लिखित मानदंड के आधार पर किया गया है।

चीन जन.गण. में उत्पादकों तथा निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

32. इस संबंध में नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 में यह उपबंध है कि:

“गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी

समुचित आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदर्भ अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहां उचित हो उचित समयसीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी।"

33. जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है प्राधिकारी उपर्युक्त दोनों उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करना उचित नहीं समझते हैं, जिन्होंने उपर्युक्त कारणों के अनुसार बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार का दावा किया है। अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमानुसार किया जा रहा है। जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में चीन जन.गण. हेतु सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए उचित प्रतिनिधि देश के रूप में कोरिया गण. की उपर्युक्तता के बारे में समर्त हितबद्ध पक्षकारों से टिप्पणियां मांगी गई थीं। जांच शुरूआत के बाद कुछेक हितबद्ध पक्षकारों ने प्रतिनिधि देश के रूप में कोरिया गण. पर विचार किए जाने का विरोध किया है। उन्होंने यह दावा किया है कि प्राधिकारी को बाजार के प्रतिनिधित्व, संबद्ध बाजार के आकार और इस तथ्य पर विचार करना चाहिए कि क्या समान देश में हुए सौदे की मात्रा भारत को ऐसे एनएमई देश से हुए निर्यात पर कम से कम 5% है। बाजार के खुलेपन, कारगर प्रतिस्पर्धा, कच्ची सामग्री की पहुंच और इस बात पर विचार करना चाहिए कि क्या संबद्ध देश और समान देश में कच्ची सामग्री की पहुंच में भारी अंतर है। इसके अलावा, एक हितबद्ध पक्षकार ने पी आर सी से गैस प्यूल्ड नॉन रिफिलेबल फिलिन्ट लाइटर से संबंधित ई सी मामले का हवाला दिया है। उसने आगे यह दावा किया है कि चीन जन.गण. के लिए भारत उचित प्रतिनिधि देश है और चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण भारत को प्रतिनिधि देश मानकर किया जाना चाहिए।

34. इस संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के विचारों/अनुरोधों की जांच की गई है। दिए गए तर्कों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्रतिनिधि देश के रूप में कोरिया गण. को नहीं लिया है। अतः प्राधिकारी ने प्रमुख कच्ची सामग्री की कीमतों, घरेलू उद्योग के खपत कारक तथा घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत पर विचार करते हुए चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य की गणना की है। सबद्ध उत्पाद के प्रत्येक प्रकार के लिए सामान्य मूल्य अलग से निर्धारित किया गया है।

सहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

अपनाई गई सामान्य कार्य प्रणाली

35. प्रतिवादी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का अनंतिम निर्धारण उनकी परिशिष्ट-वार सूचना तथा उनके द्वारा दावा किए गए समस्त समायोजनों को ध्यान में रखते हुए भारत के लिए उनकी निर्यात कीमत को हिसाब में लेकर किया गया है। अन्य निर्यातकों के लिए समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतरदेशीय भाड़े, पत्तन व्यय तथा बैंक कमीशन के संबंध में अनंतिम जांच परिणामों के बाद सत्यापन के अधीन अनंतिम आधार पर इन निर्यातकों द्वारा प्रदत्त सूचना के अनुसार निवल निर्यात कीमत में समायोजन किया गया है।

चाइना नेशनल मैटीरियल्स इंडस्ट्री इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पोरेशन, शेनडॉग एस्ट न्यू मैटीरियल्स कं. लि. एंड सिनोमा जिनजियांग फाइबर ग्लास कं. लि.

36. चाइना नेशनल मैटीरियल्स इंडस्ट्री इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पोरेशन व्यापार शाखा है और सिनोमा ग्रुप (चाइना नेशनल मैटीरियल्स ग्रुप कार्पोरेशन का व्यापार मंच है जिसका प्रबंधन इस ए एस ए सी (राज्य परिषद का राज्य स्वामित्व वाली परिसंपत्ति पर्यवेक्षण एवं प्रशासन आयोग) द्वारा किया जाता है। इसके अलावा, इन कंपनियों ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है और उनके उत्तर से यह नोट किया जाता है कि उन्होंने जांच अवधि के दौरान भारत को टिशुओं का निर्यात किया है। मैटीरियल्स शेनडॉग एस्ट न्यू मैटीरियल कंपनी लि. ने सी टी जी के जरिए और मैटीरियल्स सिनोमा जिनजियांग फाइबर ग्लास कं. लि. ने सिनोमा इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी के जरिए टिशुओं का निर्यात किया है। चूंकि इस प्रारंभिक जांच परिणाम में ये वस्तुएं इस जांच के दायरे में नहीं आती हैं, इसलिए इन वस्तुओं के लिए कोई अनंतिम पाटन मार्जिन निर्धारित नहीं किया गया है।

शेनडॉग ताईशान - पी डी ओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि., ताईशान फाइबरग्लास इंक. (सी टी जी), ताईशान फाइबरग्लास झोऊचेंग कं. लि. तथा पी पी जी सिनोमा जिनजियांग फाइबर ग्लास कंपनी लि.

37. यह नोट किया जाता है कि शेनडॉग ताईशान- पी डी ओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि. ने स्वयं द्वारा उत्पादित चोकड़ स्ट्रांड (सी एस) का निर्यात किया है और ताईशान फाइबर ग्लास इंक के जरिए भी ऐसा किया है। ताईशान फाइबर ग्लास इंक संबद्ध उत्पाद का उत्पादक भी है। ताईशान फाइबर ग्लास इंक ने उसके द्वारा उत्पादित डायरेक्ट रोबिंग (डी आर), असेम्बल्स रोबिंग (ए आर) तथा चोकड़ स्ट्रांड मैट (सी एस एम) तथा शेनडॉग ताईशान-पी डी ओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि. द्वारा उत्पादित चोकड़ स्ट्रांट का भारत को निर्यात किया है। ताईशान फाइबर ग्लास झोऊचेंग कंपनी लि. ने भी ताईशान फाइबर ग्लास के जरिए डायरेक्ट रोबिंग तथा असेम्बल्स रोबिंग का निर्यात किया है।

38. इन कंपनियों ने परिशिष्ट-2 में भारत को किए गए निर्यातों से संबंधित सौदे प्रस्तुत किए हैं। समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, ऋण लागत आदि के लिए समायोजन का दावा किया गया है। आगे जांच और सत्यापन होने तक अनंतिम निर्धारण के प्रयोजनार्थ दावा किए गए समायोजनों की अनुमति दी गई है।

चेंगझोऊ न्यू चेंघाई फाइबरग्लास कं. लि. (एन.सी.एच)

39. इस कंपनी ने भारत को असेम्बल्ड रोबिंग तथा चोकड़ स्ट्रांड मैट का निर्यात किया है। कंपनी ने परिशिष्ट-2 में निर्यातों से संबंधित सूचना प्रस्तुत की है। समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, ऋण लागत आदि के लिए समायोजन का दावा किया गया है। आगे जांच और सत्यापन होने तक अनंतिम निर्धारण के प्रयोजनार्थ दावा किए गए समायोजनों की अनुमति दी गई है।

जुशी ग्रुप चेंघडू कं. लि. जुशी ग्रुप जियूजियांग कं. लि., ज्यूशी ग्रुप कं. लि. (ज्यूशी टोंगजियांग)

40. जुशी ग्रुप चेंघडू कं. लि. ने डायरेक्ट रोबिंग तथा असेम्बल्ड रोबिंग का निर्यात किया है। जुशी ग्रुप जियूजियांग कं. लि. ने भारत को डायरेक्ट रोबिंग तथा चोकड़ स्ट्रांड और जूशी ग्रुप कं. लि. (जूशी

तांगजियांग) ने डायरेक्ट रोबिंग, असेम्बल्ड रोबिंग, चोक्ड स्ट्रांड और चोक्ड स्ट्रांड मैट का निर्यात किया है।

41. इन कंपनियों ने परिशिष्ट-2 में भारत को किए गए निर्यातों से संबंधित सौदे प्रस्तुत किए हैं। समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, ऋण लागत आदि के लिए समायोजन का दावा किया गया है। आगे जांच और सत्यापन होने तक अनंतिम निर्धारण के प्रयोजनार्थ दावा किए गए समायोजनों की अनुमति दी गई है।

चोंगकिंग पोलीकॉम्प इंटरनेशन कार्पोरेशन कार्पोरेशन (सी पी आई सी)

42. इन कंपनियों ने भारत को डायरेक्ट रोबिंग, असेम्बल्ड रोबिंग, चोक्ड स्ट्रांड तथा चोक्ड स्ट्रांड मैट का निर्यात किया है। इन कंपनियों ने परिशिष्ट-2 में भारत को किए गए निर्यातों से संबंधित सौदे प्रस्तुत किए हैं। समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, ऋण लागत आदि के लिए समायोजन का दावा किया गया है। आगे जांच और सत्यापन होने तक अनंतिम निर्धारण के प्रयोजनार्थ दावा किए गए समायोजनों की अनुमति दी गई है।

सी एन बी एम इंटरनेशन कार्पोरेशन कार्पोरेशन:

43. मै. सी एन बी एम इंटरनेशन कार्पोरेशन एक सीमित दायित्व वाली कंपनी है और उसमें निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। उत्तर से यह नोट किया जाता है कि संबद्ध कंपनी एक व्यापार कंपनी है और उसके समस्त आपूर्तिकर्ता या उत्पादक असंबद्ध हैं। वस्तुतः अपने उत्तर में उसने ऐसे किसी उत्पादक को अभिज्ञात नहीं किया है जिसकी वस्तु का उसने जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यात किया है। तदनुसार कमियों में सुधार करने के लिए निर्यातक को एक पत्र भेजा गया है। इसके अलावा, निर्यातक ने यह सूचित किया है कि एक व्यापार कंपनी होने के नाते प्राधिकारी संबद्ध उत्पादक न होते हुए निर्यातक के लिए पृथक पाटन मार्जिन की अनुमति नहीं दे सकते। तदनुसार संबद्ध निर्यातक के लिए किसी पृथक पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया गया है।

असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

44. चीन जन.गण. के असहयोगी निर्यातकों के मामले में निर्यात कीमत का निर्धारण संबद्ध उत्पाद के सभी प्रकारों के बीच न्यूनतम निर्यात कीमत पर ध्यान देते हुए किया गया है। समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, ऋण लागत आदि के लिए समायोजनों का दावा किया गया है।

सहयोगी उत्पादकों तथा निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण

45. प्राधिकारी ने प्रत्येक सहयोगी उत्पादक तथा निर्यातक के लिए समग्र उत्पाद हेतु पाटन मार्जिन निर्धारित करने से पूर्व प्रत्येक ग्रेड के लिए पृथक पाटन मार्जिन निकाला है। समग्र उत्पाद के लिए पाटन मार्जिन एवं % में पाटन मार्जिन का उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है।

संबंधित उत्पादकों तथा निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन

46. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध जांच में कई सहयोगी उत्पादक तथा निर्यातक एक दूसरे से संबद्ध हैं और उन्होंने संबद्ध कंपनियों का एक समूह बनाया है। प्राधिकारी की यह सतत पद्धति रही है कि वह निर्यातक उत्पादकों अथवा एक ग्रुप के संबद्ध उत्पादक को पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु एकल कंपनी मानें और इस प्रकार उनके लिए एक ही पाटन मार्जिन निर्धारित करें। यह इसलिए

विशेष है क्योंकि अलग-अलग पाटन मार्जिन की गणना करने से पाटनरोधी उपायों का अपमंचन हो सकता है जिससे वह अप्रभावी बन सकते हैं और संबद्ध निर्यातक उत्पादक न्यूनतम अलग-अलग पाटन मार्जिन वाली कंपनी के जरिए भारत को अपने निर्यात कर सकते हैं।

47. उपर्युक्त के अनुसार एक ही ग्रुप के संबंधित निर्यातक उत्पादकों को ए ही कंपनी माना गया था और उन्हें एक ही पाटन मार्जिन दिया गया है जिसकी गणना संबंधित समूहों में सहयोगी उत्पादकों के पाटन मार्जिन के भारित औसत के आधार पर की गई थी।

उत्पादक	निर्यातक	पाटन मार्जिन	ग्रुप पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %	ग्रुप पाटन मार्जिन %
गै. शेनडोंग ताईशान-पी डी ओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि.	गै. शेनडोंग ताईशान-पी डी ओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि.	****	****	****	
मै. शेनडोंग ताईशान-पी डी ओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि.	ताईशान फाइबर इंक.	****	****	****	
गै. ताईशान फाइबरग्लास इंक. (सी टी जी या कंपनी)	गै. ताईशान फाइबरग्लास इंक. (सी टी जी या कंपनी)	****	****	****	33.06
मै. तियानशान फाइबरग्लास झोउचेंग कं., लि.	गै. तियानशान फाइबरग्लास इंक. (सी टी जी या कंपनी)	****	****	****	
गै. पी पी जी रिनोगा जियानजिंग फाइबरग्लास कंपनी लि.	गै. पी पी जी रिनोगा जियानजिंग फाइबरग्लास कंपनी लि.	****	****	****	
मै. चेंगझोऊ न्यू चेंगधाई फाइबरग्लास कंपनी लि. ("एनसीएच") (संबद्ध देशों के उत्पादक तथा निर्यात)	गै. चेंगझोऊ न्यू चेंगधाई फाइबरग्लास कंपनी लि. ("एनसीएच") (संबद्ध देशों के उत्पादक तथा निर्यात)	****	****	****	(0.86)
गै. जूशी ग्रुप चेंगदू कं. लि.	गै. जूशी ग्रुप चेंगदू कं. लि.	****	****	****	
मै. जूशी ग्रुप जियूजियांग कं. लि.	मै. जूशी ग्रुप जियूजियांग कं. लि.	****	****	****	21.93
गै. जूशी ग्रुप कं. लि. (जूशी, टॉगजियांग)	गै. जूशी ग्रुप कं. लि. (जूशी, टॉगजियांग)	****	****	****	
गै. चोंगविंग पोलीकॉम्प इंटरनेशनल कार्पोरेशन (सी पी आई सी या कंपनी)	गै. चोंगविंग पोलीकॉम्प इंटरनेशनल कार्पोरेशन (सी पी आई सी या कंपनी)	****	****	****	44.38
अन्य	अन्य	****	****	****	69.85

ड. क्षति

ड. 1. घरेलू उद्योग के अनुरोध

48. घरेलू उद्योग ने ये तर्क दिए हैं कि:

(i) क्षति अवधि के दौरान चीन जन.गण. से हुए पाटित आयातों की मात्रा में समग्र रूप में अत्यधिक वृद्धि हुई है ।

(ii) आयातों में वृद्धि भारत में हुए कुल आयातों, उत्पादन और खपत की तुलना में काफी अधिक हुई है ।

(iii) आयातों का भारित औसत मूल्य (मूल सीमाशुल्क सहित) घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से काफी कम रहा है जिससे कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है ।

(iv) पाटित सीआईएफ निर्यात कीमत से आयातों की पहुंच कीमत में भारी कमी आई है । इसका घरेलू उद्योग पर प्रत्यक्ष प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है । आयातों की पहुंच कीमत में आई इस कमी से भारतीय उत्पादक विधिसम्मत कीमत वृद्धि करने से विचित हुए हैं ।

(v) आयातों में वृद्धि होने के कारण क्षमता उपयोग, मालसूची, बाजार हिस्से, लाभ, निवेश पर आय आदि के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है ।

(vi) देश में उत्पाद की मांग में सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित होती है जबकि उसी समय घरेलू उद्योग की बिक्री में नकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित होती है ।

(vii) आयातों में समग्र रूप में और उत्पादन तथा खपत की तुलना में वृद्धि होने के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है ।

(viii) घरेलू उद्योग की निर्यात मात्रा में सतत गिरावट प्रदर्शित होती है जिससे विश्व बाजारों में चीन के पाटित वस्तु के बाजार हिस्से में वृद्धि का पता चलता है ।

(ix) विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग के निष्पादन में क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई है ।

(x) क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की आर ओ आई (एन एफ ए आधार पर) में भारी गिरावट आई है इससे चीन जन.गण. से हुए पाटित आयातों के स्पष्ट कीमत हासकारी तथा न्यूनकारी प्रभाव का पता चलता है जिसकी वजह से घरेलू उद्योग को भारी घाटा हुआ है ।

(xi) मालसूची के स्तर में पर्याप्त वृद्धि हुई है ।

(xii) संबद्ध देश से पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम सीमा से अधिक है अपितु काफी अधिक भी है । घरेलू उद्योग पर पाटन का प्रभाव अत्यधिक पड़ा है और उसमें धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है ।

उ.2. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के उत्तर

49. हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित मुद्दे उठाए हैं :

(क) मात्रात्मक क्षति नहीं हुई है क्योंकि उत्पादन, बिक्री जैसे मात्रा संबंधी विभिन्न मापदंडों में बेहतर वृद्धि प्रदर्शित होती है ।

(ख) कीमत में कोई क्षति नहीं हुई है क्योंकि घरेलू उद्योग विभिन्न बाजार खंड में प्रचालन कर रहा है ।

(ग) घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि चीन जन.गण. से आयात कीमत अमरीका या अन्य देशों से आयात कीमत में कम रही है । इसे मात्र इस वजह से पाटित वस्तु नहीं माना जा सकता कि चीन की कीमत अमरीका की कीमत से कम है ।

ड.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

50. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों को नोट किया है । पाटनरोधी नियमों के अनुबंध ॥ में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव और ; (ख) पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच करने का उपबंध है । पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है । जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती ।"

51. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-॥ के पैरा- (IV) में निम्नानुसार उल्लेख है:

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में रवानाविक और संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समर्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों; नकद प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूँजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का मूल्यांकन शामिल होगा ।"

52. प्राधिकारी ने तथ्यों और हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों को ध्यान में रखते हुए क्षति मापदंडों की तथ्यपरक जांच की है ।

आयात, मांग, मात्रा तथा बाजार हिस्सा:-

53. देश में उत्पाद की मांग का निर्धारण घरेलू उत्पादकों की घरेलू बिक्री तथा सभी स्रोतों से हुए आयातों की मात्रा के रूप में किया गया है ।

आयात एवं आयात मात्रा के निर्धारण के आधार के बारे में सामान्य अभ्युक्तियां

54. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय, (डीजीसीआईएंडएस) से पिछले तीन वर्षों और जांच अवधि के दौरान भारत में संबद्ध वस्तु के हुए आयातों के व्यारों की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया था । डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त सूचना का विश्लेषण किया गया और उसकी तुलना आई बी आई एस (गौण स्रोत) से प्राप्त सूचना के साथ की गई थी । यह पाया गया था कि डी जी सी आई एंड एस में सूचित आयात की मात्रा आई बी आई एस के आंकड़ों के आधार पर याचिकाकर्ताओं द्वारा सूचित आयात की मात्रा से काफी अधिक है । विस्तृत जांच के बाद वर्तमान जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ डी जी सी आई एंड एस की सूचना को ध्यान में रखना उचित माना गया था ।

55. यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों में समग्र रूप में भारी वृद्धि हुई है। इसके अलावा, इसी अवधि के दौरान संबद्ध देश के बाजार हिस्से में अत्यधिक वृद्धि हुई है जैसा कि निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है।

		2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
चीन से आयात	मी.ट.	5,800	12,425	16,984	38,747
प्रवृत्ति		100	214	293	668
अन्य देश	मी.ट.	10,423	12,454	6,631	3,663
प्रवृत्ति		100	119	64	35
कुल आयातक	मी.ट.	16,223	24,879	23,615	42,409
प्रवृत्ति		100	153	146	261

प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि की तुलना में चीन से संबद्ध वस्तु के आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। इसके अलावा, प्रत्येक सफल वर्ष में आयातों में समग्र रूप में वृद्धि हुई है। इसी समय अन्य देशों से हुए आयातों में भारी गिरावट आई है।

मांग

56. विचाराधीन उत्पाद की मांग में समूची क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई और क्षति अवधि में इसमें 62% की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, इसी अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात में समग्र रूप में वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि पारित आयात की मात्रा में वृद्धि मांग में हुई वृद्धि से अधिक रही है।

		2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि वार्षिकीकृत
घरेलू उद्योग (घरेलू) की बिक्री	मी.ट.	31,205	34,384	41,741	48,269
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	134	155
निर्यात बिक्री	मी.ट.	27856	20565	26081	16624
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	73	93	59
भारत में निर्यात	मी.ट.	16223	24879	23615	28273
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	153	146	174
भारत में मांग	मी.ट.	47,428	59,263	65,356	76,542
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	125	138	162

यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि की तुलना में उत्पाद की मांग में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है। यद्यपि, इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री में भी वृद्धि हुई है। तथापि, घरेलू उद्योग की बिक्री में हुई वृद्धि जांच अवधि के दौरान मांग में हुई वृद्धि से कम रही है।

विभिन्न मापदंडों की तुलना में आयात

57. प्राधिकारी ने भारत में उत्पादन एवं खपत की तुलना में संबद्ध आयातों की प्रवृत्ति का विश्लेषण किया है। यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान भारत में समान उत्पादन के उत्पादन की

तुलना में संबद्ध वस्तु के आयात में वृद्धि हुई है । इसके अलावा, भारत में घरेलू उद्योग की बिक्री और खपत की तुलना में भी इसमें वृद्धि हुई है ।

		2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि वार्षिकीकृत
चीन जन.गण. से आयात	मी.ट.	5,800	12,425	16,984	25,831
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	214	293	445
भारत में मांग	मी.ट.	47,428	59,263	65,356	76,542
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	125	138	161
भारत में उत्पादन	मी.ट.	55,707	57,766	68,202	66,078
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	122	119
कुल आयात के % के रूप में आयात	%	35.75%	49.94%	71.92%	91.36%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	140	201	256
मांग के % के रूप में आयात	%	12.23%	20.97%	25.99%	33.75%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	171	213	276
भारतीय उत्पादन के % के रूप में आयात	%	10.41%	21.51%	24.90%	39.09%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	207	239	375
घरेलू उद्योग की बिक्री के % के रूप में आयात		19%	36%	41%	54%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	194	219	288

घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा

58. प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु की कुल मांग तथा घरेलू उद्योग की बिक्री को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से का निर्धारण किया है । निम्नलिखित तालिका से यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 6% की गिरावट आई जबकि इसी समय इसी अवधि के दौरान चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के बाजार हिस्से में 22% की वृद्धि हुई । घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट काफी अंधिक मानी गई है ।

		2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	66%	58%	64%	63%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	88	97	96
चीन	%	12%	21%	26%	34%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	171	212	276
अन्य देश	%	22%	21%	10%	3%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	45	14

आयातों का कीमत प्रभाव

59. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है, अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक

बढ़ गई होती । संबद्ध उत्पाद की तुलना निर्यातित उत्पाद के पहुंच मूल्य और घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत के बीच की गई थी और उसमें व्यापार के समान स्तर पर समस्त रिबेट और कर शामिल किए गए थे। घरेलू उद्योग की कीमत का निर्धारण कारखाना स्तर पर किया गया था। तुलना से यह पता चला कि जांच अवधि के दौरान चीन के मूल की संबद्ध वस्तु की भारतीय बाजार में बिक्री उस कीमत पर की गई थी जो घरेलू उद्योग की कीमत से कम थी। अतः यह देखा जाता है कि आयातों से घरेलू कीमत में कटौती हो रही थी और कीमत कटौती के मार्जिन को काफी अधिक माना जाता है ।

		2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
पहुंच कीमत	रु./किग्रा.	49.59	48.59	46.97	51.69
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	95	104
घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	112	100
कीमत कटौती	रु./किग्रा.	****	****	****	****
कीमत कटौती %	सूचीबद्ध	15-25	25-35	25-35	15-25

60. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुए कीमत ह्रास, कीमत न्यूनीकरण और कम कीमत पर बिक्री, यदि कोई हो, के संबंध में हुए घाटे की भी जांच की है । जांच के बाद यह निर्धारित किया जाता है कि घरेलू उद्योग क्षति अवधि की तुलना में बिक्री कीमत में उत्पादन लागत में हुई वृद्धि की तुलना में कम करने के लिए बाध्य हुआ था । कीमत ह्रास वर्ष 2006-07 से काफी अधिक माना जाता है । यह भी नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने अत्यधिक कम कीमत पर बिक्री की है ।

		2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	112	100
बिक्री की लागत-घरेलू	रु./किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	118	116	105
क्षति रहित कीमत रु./किग्रा.					****
पहुंच कीमत	रु./किग्रा.				51.69
कम कीमत पर बिक्री					****
कम कीमत पर बिक्री (%)					15-25

61. अतः अनंतिम रूप से यह निर्धारित किया जाता है कि जहां लागत में जांच अवधि में 5% की वृद्धि हुई वही घरेलू उद्योग अपनी बिक्री कीमत में वृद्धि नहीं कर सका । अतः यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण कीमत ह्रास हो रहा है । अतः प्रारंभिक रूप से यह

निष्कर्ष निकाला जाता है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का प्रभाव प्रतिकूल और काफी अधिक रहा है।

घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

62. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट, सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूँजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा। घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच करने से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। घरेलू उद्योग से संबंधित क्षति के विभिन्न मापदंडों पर नीचे चर्चा की गई है।

(i) उत्पादन

63. उत्पादन निम्नांकित तालिका में दर्शाया गया है।

		2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
उत्पादन	मी.ट.	55,707	57,766	68,202	66,078
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	122	119
मांग	मी.ट.	47,257	58,905	65,356	79,532
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	125	138	168
क्षमता उपयोग	%	94%	97%	98%	90%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	105	95

यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि में उत्पादन में 19% की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, यह नोट किया जाता है कि उत्पाद की मांग में 62% की वृद्धि हुई और घरेलू उद्योग ने जांच अवधि में क्षमता का उपयोग किया अतः प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निर्धारित करते हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध वस्तु का उत्पादन बढ़ाने की आगे और गुंजाइश थी।

(ii) क्षमता तथा क्षमता उपयोग

64. घरेलू उद्योग की क्षमता और क्षमता उपयोग की प्रवृत्ति का उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है:

		2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
उत्पादन	मी.ट.	55,707	57,766	68,202	66,078
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	122	119
मांग	मी.ट.	47,257	59,263	65,356	76,542

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	125	138	162
स्थापित क्षमता	मी.ट.	59,300	59,300	69,300	73,667
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	117	124
क्षमता उपयोग	%	94%	97%	98%	90%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	105	95

यह नोट किया जाता है कि वर्ष 2006-07 तथा 2007-08 को छोड़कर जब घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग अधिक था, इसमें क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई है।

(iii) घरेलू बिक्री

65. घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री में निम्नलिखित तालिका के अनुसार घट-बढ़ हुई है :

		2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
घरेलू बिक्री	मी.ट.	31,205	34,384	41,741	48,269
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	134	155
निर्यात बिक्री	मी.ट.	27856	20565	26081	16624
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	73	93	59
मांग	मी.ट.	47,257	59,263	65,356	76,542
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	125	138	162
मांग के % के रूप में बिक्री में परिवर्तन	%	66.03%	58.37%	63.87%	60.69%
● घरेलू बिक्री	मी.ट.		3,179	7,357	6,528
● मांग	मी.ट.		11,648	6,451	14,176

यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि में घरेलू बिक्री में वृद्धि हुई है। इसके अलावा यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि में उत्पाद की मांग में भी वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने पर्याप्त निर्यात बिक्री की है जिसमें क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई है।

घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि देश में पाठित आयातों की मौजूदगी के कारण उन्हें बिक्री में भारी घाटा हुआ है।

(iv) लाभप्रदता

66. घरेलू समान उत्पाद के संबंध में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता की जांच केवल घरेलू बिक्री के संबंध में की है है। यह देखा जाता है कि जांच अवधि में घरेलू उद्योग की संबद्ध वस्तु की लाभप्रदता में भारी गिरावट आई है।

		2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
बिक्री की लागत	रु./किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	118	116	105
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	112	100
लाभ/हानि	रु./किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	46	59	41
लाभ/हानि	लाख रु. में	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	50	79	64

(v) रोजगार तथा मजदूरी

67. घरेलू उद्योग में रोजगार और संदत्त मजदूरी का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

		2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
रोजगार	सं.	989	1,003	1,031	1,030
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	104	104
मजदूरी	लाख रुपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	117	102
प्रति कर्मचारी मजदूरी	रु.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	116.29	126.63	110.48

यह देखा जाता है कि उत्पादन में क्षति अवधि में वृद्धि हुई है और इसी प्रकार क्षति अवधि में रोजगार और मजदूरी भी बढ़ी है। इस मापदंड से घरेलू उद्योग को हुई किसी क्षति अथवा अन्यथा का संकेत नहीं मिलता है।

vi) उत्पादकता

68. घरेलू उद्योग की उत्पादकता निम्नानुसार रही है।

		2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	सं./मी.ट.	56	58	66	64
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	118	114
प्रति दिन (350 दिन का उत्पादन मानते हुए)	मी.ट./दिवस	159	165	195	189

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	122	119
-----------	----------	-----	-----	-----	-----

यह देखा जाता है कि क्षति अवधि में उत्पादकता में वृद्धि हुई है । उत्पादन में क्षति अवधि में वृद्धि हुई है और इसी प्रकार उत्पादकता में ऐसी ही प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है ।

(vii) निवेश पर आय और नकद प्रवाह

69. निवेश पर आय का निर्धारण उत्पाद के लिए कर पूर्व लाभ तथा लगाई गई पूँजी पर विचार करते हुए किया गया है । नकद प्रवाह पर प्रभाव का निर्धारण मूल्यहास से पूर्व लाभ परंतु ब्याज लागत के बाद पर विचार करते हुए किया गया है । यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि में लगाई गई पूँजी पर आय में भारी गिरावट आई है ।

		2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
लाभ/हानि	रु./लाख	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	50	79	64
मूल्यहास	रु./लाख	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	111	137
नकद लाभ	रु./लाख	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	90	98	108
नियोजित पूँजी पर आय - एनएफए आधार	%	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	39	52	51
स्थापित क्षमता	मी.ट.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	117	124

नकद लाभ में वृद्धि हुई है । यह नोट किया जाता है कि यद्यपि लाभ में भारी गिरावट आई है तथापि, मूल्यहास में वृद्धि हुई है । स्थापित क्षमता में भी वृद्धि हुई है । यह नोट किया जाता है कि क्षमता में वृद्धि के कारण परिसंपत्ति में हुई 24% की वृद्धि की वजह से मूल्यहास में ****% की वृद्धि हुई और नकद लाभ में ***% की वृद्धि हुई ।

(viii) मालसूची

70. यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि में मालसूची के स्तर में भारी वृद्धि हुई है।

		2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
औसत मालसूची	मी.ट.	3,606	5,175	5,043	8,279
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	143	140	230
बिक्री दिवसों के अनुसार औसत मालसूची	मी.ट.	40	53	42	60
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	130	105	148
घरेलू बिक्री	मी.ट.	31,205	34,384	41,741	48,269
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	134	155

क्षति अवधि के दौरान दिवसों की बिक्री की संख्या के बराबर मालसूची में वृद्धि हुई है।

(ix) वृद्धि

71. विभिन्न मापदंडों में हुई वृद्धि से संबंधित सूचना निम्नलिखित तालिका में दी गई है। यह देखा जाता है कि बिक्री मात्रा में वृद्धि सकारात्मक हुई है और कीमत मापदंड नकारात्मक है।

		2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
उत्पादन	%		4%	18%	-3%
घरेलू बिक्री	%		10%	21%	16%
मालसूचियां	%		43%	-3%	64%
बिक्री की लागत प्रति किग्रा.	%		18%	-1%	-10%
बिक्री कीमत प्रति किग्रा.	%		11%	0%	-12%
आरओआई	%		-61%	32%	-1%

जांच अवधि के दौरान उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में प्रदर्शित मात्रात्मक मापदंड के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि नकारात्मक हो गई जबकि घरेलू बिक्री के संबंध में यह सकारात्मक बनी रही। इस अवधि में मालसूची में वृद्धि हुई। जहां तक कीमत मापदंडों का संबंध है, जहां बिक्री लागत और बिक्री कीमत में गिरावट की प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है वहीं लाभ, निवेश पर आय एवं नकद लाभ में वृद्धि वर्ष दर वर्ष आधार पर नकारात्मक है।

(ix) पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

72. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने वर्ष 2007-08 में क्षमता में वृद्धि की है और तत्पश्चात जांच अवधि में वृद्धि की है जिसके लिए नए निवेश किए गए हैं। तथापि, यह नोट किया जाता है कि क्षमता में वृद्धि को देश में उत्पाद की मांग में हुई भारी वृद्धि के साथ देखना होगा और यह तथ्य भी ध्यान में रखना होगा कि घरेलू उद्योग देश में उत्पाद के उत्पादन और बिक्री के संबंध में विगत में लाभ की स्थिति में रहा है।

73. याचिकाकर्ता ने यह तर्क दिया है कि ऐसी वर्तमान स्थिति में जिसमें उत्पाद का निष्पादन लगातार पाटन, अत्यधिक नए निवेश के कारण बेहतर निष्पादन नहीं कर रहा है जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। अनंतिम रूप से यह माना जाता है कि उत्पाद के सतत पाटन और बिक्री निष्पादन में गिरावट का पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता के संबंध में घरेलू उद्योग की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना लाजिमी है।

(x) पाटन का स्तर और पाटन मार्जिन

74. प्रतिवादी निर्यातकों और असहयोगी निर्यातकों के संबंध में उपर्युक्त निर्धारित पाटन मार्जिन अधिक तथा न्यूनतम सीमा से ज्यादा माना जाता है।

च. कारणात्मक संबंध

75. प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या पाटनरोधी नियमावली में सूचीबद्ध अन्य कारकों को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जा सकता है, निम्नानुसार पाया गया था।

(i) तीसरे देशों से आयात

76. प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस से संबद्ध वस्तु के सौदेवार आयात आंकड़े एकत्र किए हैं। केवल अमरीका से न्यूनतम सीमा से अधिक आयातों की सूचना दी गई है क्योंकि अमरीका से भारी मात्रा में आयात हुए हैं इसलिए अमरीका से आयात कीमत की विस्तृत जांच की गई है और उसकी तुलना चीन की आयात कीमत के साथ की गई है। यह पाया गया है कि अमरीका से आयात कीमत चीन से आयात कीमत की तुलना में लगातार अधिक रही है। अंतर की मात्रा काफी अधिक रही है।

(ii) मांग में कमी

77. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में अत्यधिक सुधार प्रदर्शित हुआ है। मांग में संभावित गिरावट से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है।

(iii) खपत की पद्धति में परिवर्तन

78. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में खपत की पद्धति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है और न ही इस बारे में कोई परिमाणी आरोप लगाया गया है। अब तक की गई जांच से वैकल्पिक प्रतिस्पर्धी उत्पादों की मौजूदगी तथा ऐसे वैकल्पिक उत्पादों से हो रही संभावित क्षति का पता नहीं चला है।

(iv) विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

79. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु का एकमात्र ऐसा बाजार है जहां चीन जन.गण. से पाटित आयात घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्त संबद्ध वस्तु से सीधी प्रतिस्पर्धा करते हैं। यह नोट किया जाता है कि आयातित संबद्ध वस्तु और घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु समान वस्तुएं हैं और उनका

उपयोग समान अनुप्रयोगों/अंतिम प्रयोगों में किया जाता है। विदेशी उत्पादकों तथा घरेलू उत्पादकों के बीच व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा का ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही हो।

(v) प्रौद्योगिकी विकास

80. प्रौद्योगिकी विकास का कोई आरोप नहीं लगाया गया है और न ही अब तक हुई जांच से यह पता चला है कि घरेलू उद्योग की संभावित क्षति प्रौद्योगिकी विकास के कारण हो सकती है।

(vi) निर्यात निष्पादन

81. याचिकाकर्ता ने पर्याप्त मात्रा में निर्यात किए हैं। तथापि, प्राधिकारी ने केवल घरेलू प्रचालनों और घरेलू लाभप्रदता पर विचार किया है।

(vii) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता

82. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में कोई खास परिवर्तन नहीं आया है। लाभप्रदता में संभावित गिरावट घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण करने का कारण नहीं हो सकता है।

पाटित आयातों का प्रभाव

83. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निम्नलिखित मापदंडों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।

(क) क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देश से पाटित आयातों में भारी वृद्धि हुई है। परिणामतः घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। अतः अनंतिम रूप से यह माना जाता है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट सीधे तौर पर पाटित आयातों की मात्रा और उसके बाजार हिस्से में हुई वृद्धि के कारण आई है।

(ख) संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत में हास हो रहा है। चूंकि घरेलू उद्योग ने पहुंच कीमत के आसपास अपनी बिक्री कीमत समायोजित करने की कोशिश की है। तथापि, कीमत में गिरावट उत्पादन लागत में हुई गिरावट से अधिक रही है। अतः अनंतिम रूप से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के समक्ष कीमत हास चीन जन.गण. से पाटित आयातों की कम कीमत के कारण आया है और इस हास में वर्ष 2006-07 जब आयात की मात्रा में भी पर्याप्त वृद्धि हुई थी, से वृद्धि हुई है।

(ग) अतः यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग बाजार में पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण कीमत को घटाने के लिए बाध्य हुआ है जिसकी वजह से लाभ एवं निवेश पर आय में कमी आई है। अतः लाभ एवं निवेश पर आय में आई गिरावट का अनंतिम रूप से कारण संबद्ध देश से पाटित आयातों की मौजूदगी को माना जाता है।

84. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत निर्धारित की है। घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत की तुलना क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु संबद्ध आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। पाटन मार्जिन के निर्धारण के अनुरूप संबद्ध कंपनियों को एक कंपनी मानते हुए क्षति मार्जिन का भी निर्धारण किया गया है। क्षति मार्जिन निम्नानुसार निकाला गया है:

क्षति मार्जिन को दर्शाने वाली तालिका

उत्पादक	निर्यातक	आई एम	ग्रुप आई एम	आईएम%	ग्रुप आई एम %
मै. शेनडोंग ताईशान-पी डी ओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि.	मै. शेनडोंग ताईशान-पी डी ओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि.	****	****	****	22.18
मै. शेनडोंग ताईशान-पी डी ओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि.	ताईशान फाइबर ग्लास इंक.	****	****	****	
मै. ताईशान फाइबरग्लास इंक. (सी टी जी या कंपनी)	मै. ताईशान फाइबरग्लास इंक. (सी टी जी या कंपनी)	****	****	****	
मै. तियानशान फाइबरग्लास झोउचेंग कं. लि.	मै. तियानशान फाइबरग्लास इंक. (सी टी जी या कंपनी)	****	****	****	
मै. पी पी जी सिनोमा जियानजिंग फाइबरग्लास कंपनी लि.	मै. पी पी जी सिनोमा जियानजिंग फाइबरग्लास कंपनी लि.	****	****	****	
मै. चेंगझोऊ न्यू चेंगधाई फाइबरग्लास कंपनी लि. ("एनसीएच") (संबद्ध वस्तु के उत्पादक तथा निर्यात)	मै. चेंगझोऊ न्यू चेंगधाई फाइबरग्लास कंपनी लि. ("एनसीएच") (संबद्ध वस्तु के उत्पादक तथा निर्यात)	****	****	****	(1:15)
मै. जूशी ग्रुप चेंगडू कं. लि.	मै. जूशी ग्रुप चेंगडू कं. लि.	****	****	****	14.59
मै. जूशी ग्रुप जियूजियांग कं. लि.	मै. जूशी ग्रुप जियूजियांग कं. लि.	****	****	****	
मै. जूशी ग्रुप कं. लि. (जूशी, टोंगजियांग)	मै. जूशी ग्रुप कं. लि. (जूशी, टोंगजियांग)	****	****	****	
मै. चोंगकिंग पोलीकॉम्प इंटरनेशनल कार्पोरेशन (सी पी आई सी या कंपनी)	मै. चोंगकिंग पोलीकॉम्प इंटरनेशनल कार्पोरेशन (सी पी आई सी या कंपनी)	****	****	****	11.26
अन्य	अन्य	****	****	****	35.71

अंतिम रूप से निर्धारित पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन का स्तर काफी अधिक माना गया है।

क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में निष्कर्ष

85. चीन जन.गण. से हुए पाटित आयातों की मात्रा में समग्र स्तर पर और भारत में संबद्ध वस्तु की मात्रा की तुलना में भी भारी वृद्धि हुई है। यह नोट किया जाता है कि पाटित आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है। संबद्ध देश से पाटन मार्जिन का अनंतिम निर्धारण किया गया है और इसे पर्याप्त माना गया है। घरेलू उद्योग की क्षमता

उपयोग में गिरावट आई है और घरेलू उद्योग के पास मालसूची में वृद्धि हुई है। इस प्रकार संबद्ध देश से पाटित आयातों के प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव का पता चलता है।

86. यह भी नोट किया जाता है कि पाटित आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हो रही थी। अनन्तिम रूप से यह भी निर्धारित किया जाता है कि पाटित आयातों का कीमत ह्रास के रूप में अत्यधिक प्रतिकूल कीमत प्रभाव पड़ा है जिससे लाभ एवं निवेश पर आय में भारी गिरावट आई है। अतः प्राधिकारी अनन्तिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और ऐसी क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के अत्यधिक कीमत तथा मात्रात्मक प्रभाव के कारण हुई है।

87. अतः प्राधिकारी अनन्तिम रूप से यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है।

ज निष्कर्षः

88. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने और रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी अनन्तिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

- क. संबद्ध देश से भारत को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है।
- ख. घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से संबद्ध आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है।
- ग. यह वास्तविक क्षति संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के हुए पाटित आयातों के कारण हुई है।

झ. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे:

89. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देश से आयातों पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा; अतः उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

90. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामतः इस उत्पाद की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी खासकर तब जबकि पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित रखा जाएगा। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी।

ट. सिफारिशें

91. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरूआत कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी। निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं के बारे में सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं उनके कारणात्मक संबंध के बारे में प्रारंभिक जांच शुरू करने के बाद तथा सकारात्मक पाटन मार्जिन एवं ऐसे पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की अनंतिम रूप से पुष्टि करने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि जांच पूरी होने तक पाटन एवं क्षति को समाप्त करने के लिए अनंतिम शुल्क लागू करना अपेक्षित है। प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन जो भी कम हो, के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। यह नोट किया जाता है कि कीमत के संबंध में उत्पाद में काफी अंतर है अतः संदर्भ कीमत अथवा नियत शुल्क के रूप में पाटनरोधी शुल्क इस मामले में उचित नहीं होगा। अतः प्राधिकारी संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों के सीआईएफ मूल्य के प्रतिशत के रूप में निकाले जाने वाले मूल्यानुसार शुल्क के रूप में पाटनरोधी उपाय लागू करने की सिफारिश करते हैं। तदनुसार चीन जन.गण. के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कालम 9 में उल्लिखित प्रतिशत को लागू करते हुए निकाली गई राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	शीर्ष / उप शीर्ष	वस्तु विवरण	विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	सीआईएफ मूल्य का %
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	7019	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मे. शेनडांग ताईशान-पीडीओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि.	मे. शेनडांग ताईशान-पीडीओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि.	
2	7019	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मे. शेनडांग ताईशान-पीडीओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि.	ताईशान फाइबरग्लास इंक.	23.93
3	7019	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मे. ताईशान फाइबरग्लास इंक. (सीटीजी)	मे. ताईशान फाइबरग्लास इंक. (सीटीजी)	

संख्या /								
4	7019	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. ताईशान फाइबरग्लास जोउचैंग कं., लि.	मै. ताईशान फाइबरग्लास इंक. (सीटीजी)	23.93
5	7019	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. पीपीजी सिनोमा जियानजिंग फाइबर ग्लास कंपनी, लि.	मै. पीपीजी सिनोमा जियानजिंग फाइबर ग्लास कंपनी, लि.	
6	7019	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. चानझोऊ न्यू चेनघाई फाइबरग्लास कं. लि. ("एनसीएच")	मै. चानझोऊ न्यू चेनघाई फाइबरग्लास कं. लि. ("एनसीएच")	00.00
7	7019	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. जूनशी ग्रुप चैंगदू कं. लि.	मै. जूनशी ग्रुप चैंगदू कं. लि.	
8	7019	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. जूनशी ग्रुप जियानजिंग कं. लि.	मै. जूनशी ग्रुप जियानजिंग कं. लि.	16.34
9	7019	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. जूशी ग्रुप कं. लि. ("जूशी टोंगजियांग")	मै. जूशी ग्रुप कं. लि. ("जूशी टोंगजियांग")	
10	7019	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. चौंगविंग पॉलीकॉम्प इंटरनेशन कार्पोरेशन (सीपीआईसी या कंपनी)	मै. चौंगविंग पॉलीकॉम्प इंटरनेशन कार्पोरेशन (सीपीआईसी या कंपनी)	12.74
11	7019	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	अन्य	अन्य	40.86
12	7019	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	40.86

	शीर्ष /							
13	7019	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	चीन जन. गण. से इतर अन्य कोई देश	चीन जन. गण.	कोई	कोई	40.86

(*) ग्लास रोबिंग, ग्लास चोकड स्ट्रांड्स, ग्लास चोकड स्ट्रांड्स मैट्स सहित फाइबर ग्लास तथा उसकी वस्तुएं हैं। विचाराधीन उत्पाद के दायरे में विशेष रूप से न लाई गई वस्तुएं हैं- ग्लास बूल, ग्लास यार्न, ग्लास से बुने गए फैब्रिक तथा थर्मोप्लास्टिक अनुप्रयोगों के लिए नियत पॉली यूरोथिन अथवा एक्रेलिक एमल्सन से सामान्यतः उपचारित चोकड स्ट्रांड्स, बैटरी सेपरेटर में प्रयुक्त माइक्रोग्लास फाइबर, सर्फेस मैट/सर्फेस वील/टिशु।

ठ. आगे की प्रक्रिया

92. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:-

- (क) प्राधिकारी समस्त हितबद्ध पक्षकारों से इन जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे जिन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा;
- (ख) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, आवेदक और संबंधित समझे जाने वाले अन्य हितबद्ध पक्षकारों को अलग से लिखा जारहा है, जो पत्र के प्रेषण की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इस जांच परिणाम के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकता है।
- (ग) प्राधिकारी विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के विचारों की मौखिक सुनवाई करने के लिए एक सुनवाई आयोजित करेंगे।
- (घ) प्राधिकारी द्वारा आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे और सत्यापन किया जाएगा;
- (ङ) प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी नियमावली के अनुसार अंतिम जांच परिणाम घोषित करने से पूर्व अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन किया जाएगा।

पी. के. चौधरी, निर्दिष्ट प्राधिकारी ।

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd June, 2010

Preliminary Findings

Subject : Anti-dumping investigation concerning import of Glass Fibre and articles thereof originating in or exported from China PR.—Preliminary Findings.

No. 14/28/2009-DGAD.—Having regard to Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD rules).

A. PROCEDURE

2. The procedure described below has been followed.

- i. The Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), under the above Rules, received a written application from M/s. Owens Corning India Limited, Mumbai and M/s. OCV Reinforcement Manufacturing Limited, Hyderabad on behalf of the domestic industry, alleging dumping of glass fiber and articles thereof originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as subject country).
- ii. Preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the Applicant. The application was, therefore, considered as properly documented.
- iii. The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the Applicant to justify initiation of the investigation, decided to initiate the investigation against imports of the subject goods from the subject country.
- iv. The Authority notified the embassy of the subject country in India about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the AD Rules.
- v. The Authority issued a public notice dated 8th January 2010 published in the Gazette of India, Extraordinary, and initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods.
- vi. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were made available by the Applicant) and industry associations and gave them opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2) of the AD Rules.

vii. The Authority also forwarded a copy of the public notice to all the known importers of the subject goods in India and advised them to make their views in writing within forty days from the date of the letter.

viii. The Authority provided a copy of the non-confidential version of application to the known exporters and the embassy of the subject country in India in accordance with Rule 6(3) of the AD Rules. A copy of the Application was also provided to other interested parties, wherever requested.

ix. The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in subject country in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

- Chongqing Polycomp International Corp, Dadukou District, Chongqing, China-400082.
- Jushi Group Co. Ltd, 699 Wenham Road (South), Tongxiang Economic Development Zone, Tongxiang City, Zhejiang Province-314500, China.
- Taishan Fiberglass Inc., Economic Development Zone, Taian, Shandong, China.
- Zibo PPG Sinoma Jinjing Fiber Glass Co Ltd, 202 Zhongxin Road Zibo, Shandong Province- 255086.

x. In response to the initiation notification, the following exporters / producers from China have responded:

- Jushi Group Co Ltd (hereinafter also referred to as 'Jushi, Tongxiang')
- CNBM International Corporation
- Jushi Group Jiujiang Co Ltd.
- Changzhou New Changhai Fiberglass Co. Ltd. ("NCH").
- Jiangsu Changhai Composite Materials Holding Co Ltd (OCH)
- Jushi Group Chengdu Co Ltd
- Taishan Fiberglass Inc. (CTG or the Company) (CTG or the Company).
- Taishan Fiberglass Zoucheng Co., Ltd. ("Zoucheng", the Company)
- Sinoma Jinjing Fiber Glass Co Ltd
- Shandong Aste New Materials Co Ltd
- China National Materials Industry Import & Export Corporation (Sinoma Import & Export, the Company)
- Shandong Taishan-PDO Glass Fiber Products Co., Ltd. ("PDO", the Company)
- PPG Sinoma Jinjing Fiber Glass Company, Ltd.
- Sinoma Jinjing Fiber Glass Co., Ltd.

xi. Questionnaires were sent to the following known importers / users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

Kemrock Industries & Exports Ltd. At Village Asoj, Baroda GUJARAT	Pentair Water India P Ltd L52-55, Verna Industrial Estate Verna, Salcette, Goa.
Amiantit Fibreglass India Limited Plot No. 120 (Part) 121, 177 (Part), Maina	Sundaram Brake Linings Ltd Padi,

Road, Village-Navelim Taluka Bicholim NORTH GOA	Chennai – 600050
Graphite India Limited 523-524, Gonde Tal. Igatpuri NASHIK. Mharashtra.	Indore Composite Pvt. Ltd. Sethna, 4th Floor 55, Maharshi Karve Road Marine Lines, Mumbai - 400 002
AKSH OPTIFIBRE LIMITED B-1/J-1/1, Mohan Cooperative Industrial Estate, Mathura Road, New Delhi-110044	Balaji Fibre Reinforcement Pvt. Ltd. Survey no. 293-1 & 2 Sakarda Bhadarva Road Nr. Poicha Crossing Vill : Poicha (Khandi) Tal. Savli, Dist. Vadodara.
O. K. Glass Fibre Limited 24, Navnandanvan Industrial Estate Opp. Ralliwolf L.B.S. Marg Mulund (W). Mumbai.	Jushi (India) FRP Accessories Pvt. Ltd. 310,Creative Industrial Estate, N.M. Joshi Marg, Mumbai 400 011
Sky Fibreglass Solutions Pvt. Ltd. B-505, Twin Acrade, 5th Floor; Military Road , Marol, Andheri (E), Mumbai - 400 059	Aarvi Composites Pvt. Ltd. A-501, Safai Pegasus 100 Ft. Road, Prahladnagar Satellite Ahmedabad – 380 015

xii. In response to the initiation notification, the following importers /users have responded

- a) M/s Kemrock Industries and Exports Ltd, India
- b) M/s Jushi(India) FRP Accessories Pvt Ltd
- c) M/s Graphite India Ltd
- d) M/s Pacific Pipe Systems Pvt Ltd
- e) M/s SKY Fiberglass Solutions Pvt Ltd
- f) M/s EPP Composites Pvt Ltd
- g) M/s Balaji fiber Reinforce Pvt
- h) M/s Aarvi composites Pvt Ltd

xiii. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.

xiv. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis

xv. Information was sought from the applicant and other domestic producers also.

xvi. The Non-injurious Price based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry;

xvii. Investigation was carried out for the period starting from 1st April 2008 to 30th Sept. 2009 (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis covered the period from 2005-06, 2006-07, 2007-08 and POI.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND DOMESTIC LIKE ARTICLE

B.1 Product under consideration

3. The Product under consideration in the present investigation is glass fibre and articles thereof, including glass roving, glass chopped strands, glass chopped strands mats. Specifically excluded from the scope of the product under consideration are glass wool, glass yarn, glass woven fabrics and chopped strands of a kind generally treated with polyeurathène or acrylic emulsion meant for thermoplastic applications.

4. Glass fibre articles are made from extremely fine fibres of glass. Glass fibre articles are essentially a reinforcement material. Various uses for glass fibre articles include thermal insulation, electrical insulation, reinforcement of various materials, tent poles, sound absorption, heat and corrosion resistant fabrics, high strength fabrics, pole vault poles, arrows, bows and crossbows, translucent roofing panels, automobile bodies, hockey sticks, surfboards, boat hulls, and paper honeycomb. The subject goods are classified under Chapter 70 of the Customs Tariff Act at sub-heading no. 7019. The customs classification is however, for reference purpose only and does not have binding on the scope of the present investigation.

Views expressed by the domestic industry

- a) The product under consideration in the present application is "Glass fibre and articles thereof, excluding glass wool, glass yarn, glass woven fabrics and chopped strands meant for thermoplastic applications".
- b) Various types of glass fibre are produced using the same or similar raw materials and follow through the same production process.
- c) A large number of glass fibres are produced by the manufacturers globally to meet various specific end applications of the consumers. Production of different types by a producer therefore depends on a number of commercial & technical parameters. The domestic industry possess technical capabilities to produce all kinds of glass fibre by virtue of their affiliations with the global leaders of the product, who are in fact inventors of the product.
- d) No type of glass fibre should be excluded from the scope of the investigations. Non production of a particular type is more on account of commercial factors (primarily, availability of sufficient demand in the Country and the fact that the same are being produced by their counterparts outside India).

Views expressed by interested parties**BII Raman Fiber Science Pvt. Ltd.**

- a) The company is an importer of micro-glass fiber from China, which is a specialty product and is different from the glass fiber.
- b) Micro glass fiber is used in the manufacture of battery separators and high efficiency air and liquid filter media. It has a special manufacturing process.
- c) There is no domestic manufacturer of this special low diameter glass fiber.
- d) We are importing the micro-glass fiber to produce separators which are being produced in India for the first time. It has earlier been imported.
- e) Our imports have not caused injury to the domestic industry.
- f) The invoice description of the goods imported by the company is "glass wool", which is excluded from the scope of product under consideration.
- g) The company imports glass tissue which falls under the customs heading 70199000 (others) and should be excluded from the scope of the investigation.
- h) Imported micro-glass fiber should fall under the excluded category.

BIII HBL Power Systems Ltd.

- a) Company deals in manufacturing of lead acid batteries in India. It imports AGM battery separators from China as it is not manufactured domestically.
- b) Micro glass fiber is the raw material used in the manufacturing of battery separator. Company is planning to set up its own battery separator manufacturing plant in India.
- c) Micro glass fiber is imported from China as it is not produced domestically and hence it cannot cause injury to the domestic industry.

BIV Examination by the Authority

5. The Authority notes that the scope of product under consideration as defined in the initiation notification is as follows:-

Product under consideration in the present petition is Glass fibre and articles thereof, including glass rovings, glass chopped strands, glass chopped strands mats. Specifically excluded from the scope of the product under consideration are glass wool, glass yarn, glass woven fabrics and chopped strands of a kind generally treated with polyurethane or acrylic emulsion meant for thermoplastic applications.

6. Glass fibre articles are made from extremely fine fibres of glass. Glass fibre articles are essentially a reinforcement material. Various uses for glass fibre articles include thermal insulation, electrical insulation, reinforcement of various materials, tent poles, sound absorption, heat and corrosion resistant fabrics, high strength fabrics, pole vault poles, arrows, bows and crossbows, translucent roofing panels, automobile bodies, hockey sticks, surfboards, boat hulls, and paper honeycomb. The subject goods is classified under chapter 70 of the Customs Tariff Act at subheading no. 7019. The customs classification is however, is for reference purpose only and will have no binding on the scope of the present investigation.

7. Glass fibre is an extremely fine fibre of glass. Certain minerals are mixed in a pre-determined composition, melted at high temperature in a furnace in a batch process. The melted material is drawn through bushings to form fibres. A fiberization process is carried out wherein

some chemicals are applied and the material is cured. The fibre so produced can be processed further either off line or on line to obtain a large variety of articles. The off line or on line process might involve additional plant and equipments.

8. Petitioners have argued that all types of glass fibre have essentially the same physical and technical characteristics, employ the same technology & follow essentially the same production process, are produced using the same raw materials, perform the same function (i.e., as reinforcement material), follow the same pricing. Depending upon end applications, glass fibre is produced in a large number of different types, distinguished in terms of following product properties –

- a) product form – various forms of glass fibre can be assembled roving, direct roving, volumenized direct roving, dry-use chopped strands, wet-use chopped strands, chopped strand mats with emulsion binder, chopped strand mats with powder binder, continuous filament mats with emulsion binder, continuous filament mats with powder binder.
- b) Density – glass fibre can be produced in different densities/linear densities. Density and linear density of glass fibre is measured in terms of gsm (i.e., grams per square meter) and tex (grams/kilometer) respectively.

9. The Authority has examined the requests for exclusion received from various interested parties and notes that domestic industry has not produced micro glass fibre used in battery separator, surface mat/surface veil/tissue during the investigation period. Further, production of these types require certain additional production facilities, which are not available with the domestic industry.

10. The Authority has therefore provisionally excluded these types of the product under consideration from the scope of product under consideration and measures for the purpose of the present investigations subject to further examination. Thus, for the purpose of preliminary findings, the product under consideration is glass fibre and articles thereof, including glass roving, glass chopped strands, glass chopped strands mats. Specifically excluded from the scope of the product under consideration are glass wool, glass yarn, glass woven fabrics and chopped strands of a kind generally treated with polyeurathene or acrylic emulsion meant for thermoplastic applications, micro glass fibre used in battery separator, surface mat/surface veil/tissue.

B.V Like Article

11. With regard to like article, Rule 2(d) of the AD rules provides as under:

"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation.

12. The applicant claimed that there is no known difference in applicant's product and subject goods exported from the subject country and are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the

goods and there is no significant difference in the subject goods produced by the applicant and those exported from the subject country and the both are technically and commercially substitutable.

13. The Authority has examined the matter and notes that there is no known difference in subject goods produced by the Indian industry and exported from subject country(ies). The subject goods produced by the Indian industry and that imported from subject country(ies) are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. None of the opposing interested parties has raised any objection in this regard. Subject goods produced by the petitioner companies are being treated as domestic like articles to the subject goods imported from subject country(ies) in accordance with the anti-dumping Rules.

C. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

14. Rule 2 (b) of the AD rules defines domestic industry as under:

"Domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers may be deemed not to form part of domestic industry:

15. The application has been filed by M/s. Owens Corning India Limited, Mumbai and M/s. OCV Reinforcement Manufacturing Limited, Hyderabad as domestic industry and supported by Goa Glass Fiber Ltd, Mumbai. Post initiation, Goa Glass Fiber has provided information relating to injury to the domestic industry. A copy of the non confidential version of the information provided by Goa Glass was made available to interested parties through public file.

Views expressed by China Glass Fiber Industry Association

- The investigation does not meet the requirement of the domestic industry as per the ADD rules.
- Both the applicant companies M/s Owens Corning (India) Ltd and M/s. OCV Reinforcement manufacturing Ltd. are related to a number of exporters from China
- Details of imports made by the companies are provided but the details of the exports made by their related companies to the importers are not yet provided by the companies.
- This deliberate act is to misled the authority and the related exporter's name is not even shown in the exporters list.
- Onus is on the domestic industry to establish their standing according to the law.

16. The Authority notes that one of the applicant had imported some volumes of the product under consideration in the earlier years i.e. 2005-07 which the company claimed that it had imported the subject goods at the time of suspension, in its production due to force majeure conditions. The production of the company got disrupted at the time of flood in Maharashtra.

However, in order to meet its specific requirements, the company imported the product and sold the same. Since these are imports of the product under consideration at the time of temporary suspension of production and were not in the investigation period, Authority holds that imports of the same do not disqualify the standing of the company to qualify as domestic industry. One of the applicants has been regularly importing some types of glass fibres which are beyond the scope of the product under consideration in the present petition. Since these are imports of the product not included in the scope of the product under consideration, imports of the same are in any case irrelevant for the present purpose. Further one of the applicants has imported small volumes of one of the product types under investigation during the period of investigation from China PR. The company has submitted that these imports were made for benchmarking purpose as one of its customers had raised quality issues and the Chinese product was provided to the consumer to establish no difference in the product quality. The Authority after examination holds that volume of these imports is quite small (around 0.1% of total imports, 0.05% of demand in India and 0.06% of Indian production) and has been done for benchmarking purposes (to establish quality of the domestic industry product). It is also held that the focus of the company continues to be on production within the country and has not shifted to imports. The company has not behaved differently as opposed to other Indian producers as a result of these imports. The Authority further notes the claim made by domestic industry that these imports were either made or arranged by the company and then supplied to the customers, who had raised quality issues with regard to the products supplies by the domestic industry.

17. In view of the foregoing, the Authority therefore holds that these small volume of imports of the product under consideration do not disqualify the standing of the company to be treated as eligible domestic industry within the meaning of Rule 2(b).

18. With regard to the arguments of the China Glass Fiber Industry Association about the quantum of exports made by Owens Corning China to India, the Authority notes that the producer in China related to exporter has provided certificate confirming total exports made by the company. Thus, it is noted that exports made by the company have been considered by the Authority and the same does not vitiate the position. The Chinese related company has offered itself for verification of the information provided by the company.

19. Having regard to the provision under Rule 2(b) and the facts of the case, the Authority considers it appropriate to consider all three companies as eligible domestic producers within the meaning of Rule 2(b).

20. The Authority thus determines that the application satisfies the requirements of Rule 2(b) and Rule 5(3) of the AD Rules. Further, M/s. Owens Corning India Limited, M/s. OCV Reinforcement Manufacturing Limited and M/s. Goa Glass Fibre Ltd. are being treated as 'domestic industry' within the meaning of Rule 2(b) of the AD Rules.

D. DUMPING MARGIN

Submissions of the domestic industry

21. It has been contended by the domestic industry that China PR should be treated as non market economy country, *inter alia*, stating that:

- Market economy status cannot be given in a situation where one of the major shareholders is a State owned/controlled entity – It has been contended by the Domestic industry that the European Commission has consistently held that possibilities of State

interference cannot be ruled out in cases, where there is significant share of a State owned/controlled entity. It has been contended that it is not only the question of past interferences alone, but also possibilities of potential State interference in the future after the imposition of anti dumping duties that is relevant for granting market economy treatment.

- b) **Market economy status cannot be given unless the responding Chinese exporters establish that the prices of major inputs substantially reflect market values:** It has been contended by the Domestic industry that “substantially reflect market values” has been widely interpreted to mean that the price of these inputs must be comparable to the prices prevailing in the international market. The Domestic Industry contends that the fact that such prices are comparable to the price prevailing in China PR is grossly insufficient.
- c) **Major inputs include utilities:** It has been contended by the Domestic industry that production of the products concerned require power and fuel as a major item of utility. Admittedly, while the power supplier is a State owned entity, insufficient information is available with regard to fuel supplier. It has not been established by the exporters that the price of utilities reflect fair market values.
- d) **Market economy status cannot be given unless the responding exporters establish that their books are audited in line with international accounting standards:** It has been contended by the Domestic industry that Chinese exporters have repeatedly disputed the treatment of European Commission to reject market economy treatment in such situations where Chinese exporters are unable to establish that their books are consistent with Chinese GAAP. Chinese companies in such cases have been contending that the requirement of insisting on compliance with International Accounting Standards is beyond law.
- e) **Market economy status cannot be granted even if one of the parameters is not satisfied:** It has been contended by the Domestic industry that the European Commission has repeatedly insisted that market economy status cannot be granted unless the responding Chinese exporters pass the test in respect of each and every parameter laid down under the Rules.
- f) **Onus/obligations:** It has been contended by the Domestic industry that it is not for the Authority to establish that the responding companies are indeed operating under market economy environment and are entitled for market economy treatment. On the contrary, it is for the responding Chinese exporters to establish that they are operating under market economy conditions.
- g) **Transformation:** It has been contended by the Domestic industry that in a situation where the current shareholders have not set up their production facilities themselves but have acquired the same from some other party, market economy status cannot be granted unless process of transformation has been completely established through documentary evidence.

22. It has been contended by the Domestic industry that failure to satisfy a number of conditions mentioned above by the responding Chinese exporters, is sufficient to hold that market economy status cannot be granted to responding Chinese companies and thus the Normal value should be determined in accordance with Para-7 of the Rules.

Submissions by other interested parties

- a) Rules provide for the selection of appropriate third country, *in a reasonable manner*, keeping in view the level of development of the country and product under consideration.

b) South Korea is not an appropriate surrogate country to establish normal value in China. No reasons have been provided by the applicants for their selection. More ever, the exporter from South Korea is a related exporter and hence not suitable for determining normal value.

D.1 NORMAL VALUE

23. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as non-market economy country in the anti-dumping investigations by other WTO Members. Therefore, in terms of Para 8 (2) of the annexure 1 of AD rules, China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the above presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the above Rules for the purposes of preliminary determination.

24. As per Paragraph 8 of the Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and establish to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a) The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labor, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b) The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c) Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d) The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

25. The Authority notes that responding producers/exporters of the subject goods from China PR have submitted their questionnaire responses and two of them have submitted response to the market economy questionnaire consequent upon the initiation notice issued by the Authority and rebutted the non-market economy presumption. The questionnaire responses and the market economy responses of the responding producers and exporters have been examined for determination of normal value of the responding producers/exporter of the subject goods from the subject country as follows.

Responding producers/Exporters seeking MET

M/s Changzhou New Shanghai Fiberglass Co. Ltd. ("NCH") and M/s Jiangsu Changhai Composite Materials Holding Co Ltd (OCH)

26. M/s Changzhou New Shanghai Fiberglass Co. Ltd. ("NCH") has filed a questionnaire response and market economy response (MET) response in this matter as a producer and

exporter of the subject goods. It is submitted that M/s NCH produces the product concerned, sells them in the domestic market and exports them to other countries including India. In the manufacture of the product concerned, certain activities are carried out by Jiangsu Changhai Composite Materials Holding Co Ltd (OCH) a related company on a job work basis. NCH's parent company OCH is involved with the business of the subject merchandise. Mr. **** who is the Chairman of the Board of Directors of NCH is also the Chairman of the Board of Directors of OCH. Mr. **** who is the Director of the Board of directors of NCH is the General Manager of OCH. They are also main shareholders of OCH. The company in their MET response has submitted that it is a foreign (co-operative or equity) joint venture. NCH has two shareholders, i.e. OCH (former Changzhou Changhai GFRP Products Co., Ltd) (OCH) holding ****% shareholding and SPM holding the rest ****%. In light of the shareholding, OCH controls NCH. It has been submitted that OCH is primarily owned by family members. However, in the response to the MET Questionnaire, the company has not given any account of the transformation from State/ local bodies to privatization. With regards to pricing of raw materials and whether the suppliers of the raw materials is a private person or state or state enterprise, it is noted that though the company has submitted some information, it has not been established that the prices of raw materials and utilities reflect the market values. Thus, on the basis of their response, it is not possible to provisionally conclude the fact that their raw materials and utility prices reflect the market values. Hence, pending examination of the issues including ownership and control, its impact on the cost and prices and business decisions of the company, and verification of the same, the Authority is of the view that this producer- exporter from China PR cannot be granted market economy status for the preliminary determination of its Normal Value.

27. From the questionnaire response, it is noted that the subject producer and exporter has a substantial domestic sales and they have provided details of their sales to India as well as export sales to other countries. The response of the company was examined. It is noted that the producer and exporter has not submitted the information in the soft copy in the linked form and all the figures are paste special only. Thus, it is not possible to cross check, link and reconcile the figures given in various appendix of the exporters questionnaire. A deficiency letter detailing other deficiencies is being sent to the cooperating exporter and producer in this regard.

Chongqing Polycomp International Corporation (CPIC)

28. This company has submitted that it is a foreign (joint) venture. CPIC was originally established on Aug 27, 1991, since the establishment, CPIC has been a sino-foreign joint venture. The shareholders of CPIC are Yunnan Yuntianhua Co., Ltd. (****%, hereinafter referred as "YYCL", which is a public company listed in Shanghai Stock Exchange), Saudi Arabian Amiantit Co. (****%, hereinafter referred as "SAAC", which is the largest company in the world producing glass fiber reinforced plastic pipes), and others. It has been submitted that although YYCL's largest shareholder-Yuntianhua Group is state owned ; business decisions of CPIC are free from State intervention. From the response of the company, it has not been established that the prices of raw materials and utilities reflect the market values. Pending examination of the issues including ownership and control, its impact on the cost and prices and business decisions of the company, and verification of the same, the Authority is of the view that this producer- exporter from China PR cannot be granted market economy status for the preliminary determination of its Normal Value.

29. The producer and exporter has not mentioned details of payment terms in Appendix 1 of the response to the exporters questionnaire. In Appendix 2, they have not given an account of

commission and rebate. Also, the VAT refund is not mentioned in the Appendix 2 as well as 3A. The information in respect of Appendix 3 is incomplete as much of the information as required in the various columns has not been submitted. Further, the detailed information in respect of Appendix 4 and 7 has also not been submitted. A deficiency letter is being sent to the cooperating exporter and producer in this regard.

Other Producers/Exporters

30. Other producers and exporters who have not submitted response to MET questionnaire and claimed MET treatment are as follows:

Jushi Group Chengdu Co. Ltd. (producer and Exporter)
 Jushi Group Co. Ltd.(Producer and Exporter)
 Jushi Group Jiujiang Co. Ltd.
 China National Materials Industry Import & Export Corporation (Sinoma Import & Export, the Company)
 Shandong Taishan-PDO Glass Fiber Products Co., Ltd – producer and exporter
 CNBM International Corporation
 Taishan Fiberglass Inc. (CTG or the Company) (CTG or the Company).
 Shandong Aste New Materials Co Ltd
 Taishan Fiberglass Zoucheng Co., Ltd. ("Zoucheng", the Company)
 Sinoma Jinjing Fiber Glass Co Ltd
 PPG-Sinoma Jinjing Fiber Glass Company, Ltd.
 Sinoma Jinjing Fiber Glass Co., Ltd.

31. It is noted that none of the these producers and exporters have filed the MET response and they have also not claimed MET treatment in this response. The Authority recalls that as per Paragraph 8 of the Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and establish to the contrary. In this case, the cooperating exporters/producers of the subject goods from China were required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the criteria as listed in the subject rules. However, as these producers and/ exporters have not submitted market economy questionnaire response in terms of the above rules, the normal value has been constructed based on the criteria as mentioned below.

Determination of Normal Value for producers and exporters in China PR

32. *In this connection Para 7 of Annexure I of the Rule provides that*

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected

by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments”

33. As stated above, Authority does not consider it appropriate to give market economy treatment to the above two producers, who have claimed market economy treatment as per the reasons mentioned above. Therefore, normal value is being determined in accordance to the Rules. In the initiation notification, comments were invited from all interested parties about suitableness of Korea RP as appropriate surrogate country for determination of normal value for China PR. Subsequent to the initiation, some of the interested parties have opposed consideration of Korea RP as surrogate country. It has been claimed by them that Authority should consider representativeness of market, size of concerned market, the fact whether volume of transaction used in analogue country is at least 5% of export from such NME country to India, openness of market, effective competition, access to raw materials, and whether there is significant difference in access to raw material in subject country and analogue country. Further, one interested party have given reference of EC case relating to Gas Fuelled non refillable flint lighter from the PRC. It is further claimed by them that India is appropriate surrogate country to China PR and Normal value in China should be determined considering India as surrogate country.

34. The views/submissions of interested parties in this regard have been examined. In view of the arguments advanced, the Authority has not taken Korea RP as a surrogate country for determination of normal value for China PR. The Authority has therefore constructed the Normal value for China PR considering prices of major raw materials, consumption factor of domestic industry and conversion cost of domestic industry. The Normal value is determined separately for each type of product concern.

Export Price for cooperating exporters

General methodology followed

35. For the responding exporters, the export price has been provisionally determined after taking into account their prices to India given in their appendix wise information and all adjustments claimed by them. For other exporters, the Net export price has been adjusted for ocean freight, marine insurance, commission, inland freight, port expenses and bank commission, as per information provided by these exporters on provisional basis subject to verification after the provisional findings.

China National materials Industry Import & Export Corporation, Shandong Aste New Materials Co Ltd.& Sinoma Jinjing Fiber Glass Co., Ltd.

36. China national materials industry import and export corporation is the trade branch and trade plateform of Sinoma group (China national materials group Corporation) which is managed by SASAC (state owned assets supervision and administration commission of the state council). Further, these companies have submitted response to the exporters questionnaire and it is noted

from their response that they have exported tissues to India during the POI. M/s Shandong Aste New Materials Co Ltd has exported tissues through M/s CTG while M/s Sinoma Jinjing Fiber Glass Co., Ltd. has exported tissues through Sinoma import and export company. As these goods are outside the scope of this investigations in this preliminary findings, no provisional dumping margin is determined for these goods.

Shandong Taishan – PDO Glass Fibre Products Co. Ltd, Taishan Fibreglass Inc. (CTG), Taishan Fibreglass Zoucheng Co Limited, and PPG Sinoma Jinjing Fibre Glass Company Ltd.

37. It is noted that Shandong Taishan – PDO Glass Fibre Products Co. Ltd have exported Chopped Strand (CS) produced by itself as also through Taishan Fibreglass Inc. Taishan Fibreglass Inc. is also producer of product concern. Taishan Fibreglass Inc. have exported Direct Roving (DR), Assembled Roving(AR) and Chopped Strand Mats (CSM) to India produced by itself and Chopped Strands produced by Shandong Taishan – PDO Glass Fibre Products Co. Ltd. Taishan Fibreglass Zoucheng Co Limited have also exported Direct Roving and Assembled Roving through Taishan Fibreglass.

38. These companies have furnished transactions relating to exports to India in Appendix 2. Adjustments have been claimed on account of ocean freight, marine insurance, credit cost etc. Adjustments claimed have been allowed for the purpose of provisional determination pending further investigation and verification.

Changzhou New Changhai Fibreglass Co Ltd (NCH).

39. The company have exported Assembled Rovings and Chopped Strands Mats to India. The company have furnished information relating to its exports in Appendix 2. Adjustments have been claimed on account of ocean freight, marine insurance, credit cost etc. Adjustments claimed have been allowed for the purpose of provisional determination pending further investigation and verification.

Jushi Group Chengdu Co Limited, Jushi Group Jiujiang Co Limited, Jushi Group Co Ltd. (Jushi Tongxiang)

40. Jushi Group Chengdu Co Limited have exported Direct Roving and Assembled Roving, Jushi Group Jiujiang Co Limited have exported Direct Roving and Chopped Strands and Jushi Group Co Ltd. (Jushi Tongxiang) have exported Direct Roving, Assembled Roving, Chopped Strand and Chopped Strand Mats to India.

41. These companies have furnished transactions relating to exports to India in Appendix 2. Adjustments have been claimed on account of ocean freight, marine insurance, credit cost etc . Adjustments claimed have been allowed for the purpose of provisional determination pending further investigation and verification.

Chongqing Polycomp International Corporation (CPIC)

42. The companies have exported Direct Roving, Assembled Roving, Chopped Strand and Chopped Strand Mats to India. The companies have furnished information relating to its exports in Appendix 2. Adjustments have been claimed on account of ocean Freight, Marine insurance, credit cost etc. Adjustments claimed have been allowed for the purpose of provisional determination pending further investigation and verification.

CNBM International Cooperation :

43. M/s CNBM International Cooperation is a limited liability company and they have submitted the response to the exporters' questionnaire. From the response, it is noted that the subject company is a trading concerned and all their supplier or producers are unrelated. In fact in their response they have not identified any producer whose goods they have exported to India during the period of investigation. A letter has accordingly been sent to the exporter asking him to rectify the deficiencies. Further, the exporter has been conveyed that being a trading company the authority could not grant a separate dumping margin for the exporter without having a linked producer. Accordingly, no separate dumping margin has been determined for the concerned exporter.

Export Price for non cooperating exporters

44. In case of non cooperating exporters from China PR, export price is determined considering lowest export price among the all types of product concern. Adjustment have been made on account of ocean Freight, Marine insurance, credit cost etc.

Determination of Dumping margins for cooperating producers and exporters

45. The Authority has worked out separate dumping margin for each grade before determining the dumping margin for the product as a whole for every cooperating producer and exporter. The dumping margins and dumping margin in percentages are mentioned in the table below for product as a whole.

Dumping margin for related producers and Exporters

46. It is noted that in the subject investigations many cooperating producers and exporters are related to each other and form a group of related companies. It has been a consistent practice of the Authority to consider related exporting producers or exporting producers belonging to the same group as one single entity for the determination of a dumping margin and thus to establish one single dumping margin for them. This is in particular because calculating individual dumping margins might encourage circumvention of anti-dumping measures, thus rendering them ineffective, by enabling related exporting producers to channel their exports to India through the company with the lowest individual dumping margin.

47. In accordance with the above, the relating exporting producers belonging to the same group were regarded as one single entity and attributed one single dumping margin which was calculated on the basis of the weighted average of the dumping margins of the cooperating producers in the respective groups

Producer	Exporter	DM	Group DM	DM%	Group DM %
M/s Shandong Taishan-PDO Glass Fiber Products Co., Ltd.	M/s Shandong Taishan-PDO Glass Fiber Products	****	****	****	33.06

M/s Shandong Taishan-PDO Glass Fiber Products Co., Ltd.	Co., Ltd. Taishan Fiberglass Inc	**** ****	**** ****	****	
M/s Taishan Fiberglass Inc. (CTG or the Company)	M/s Taishan Fiberglass Inc. (CTG or the Company)	**** ****	**** ****	****	
M/s Taishan Fiberglass Zoucheng Co., Ltd.	M/s Taishan Fiberglass Inc. (CTG or the Company)	**** ****	**** ****	****	
M/s PPG Sinoma Jinjing Fiber Glass Company, Ltd	M/s PPG Sinoma Jinjing Fiber Glass Company, Ltd	**** ****	**** ****	****	
M/s Changzhou New Changhai Fiberglass Co. Ltd. ("NCH"). (Producer and exporter of subject goods)	M/s Changzhou New Changhai Fiberglass Co. Ltd. ("NCH"). (Producer and exporter of subject goods)	**** ****	**** ****	****	(0.86)
M/s Jushi Group Chengdu Co Ltd	M/s Jushi Group Chengdu Co Ltd	**** ****	**** ****	****	
M/s Jushi Group Jiujiang Co. Ltd	M/s Jushi Group Jiujiang Co. Ltd	**** ****	**** ****	****	21.93
M/s Jushi Group Co Ltd ('Jushi, Tongxiang')	M/s Jushi Group Co Ltd ('Jushi, Tongxiang')	**** ****	**** ****	****	
M/s Chongqing Polycomp International Corporation (CPIC or the Company)	M/s Chongqing Polycomp International Corporation (CPIC or the Company)	**** ****	**** ****	****	44.38
Others	Others	**** ****	**** ****	****	69.85

E. INJURY

E.1. Submissions by the domestic industry

48. The domestic industry has argued that:

- Volume of dumped imports from China PR has increased very significantly in absolute terms over the injury period.
- Imports have increased significantly in relation to total imports, production and consumption in India.
- Weighted average import prices (after including basic customs duties) have been significantly below the net sales realization of the domestic industry, thus resulting in significant price undercutting.
- The dumped CIF export price triggered a substantial reduction in the landed price of imports. This had direct adverse impact on the domestic industry. Reduction in the landed price of imports prevented the Indian Producers from effecting legitimate price increases.
- With the increase in imports, the performance of the domestic industry deteriorated in terms of capacity utilization, inventories, market share, profits, return on investments, etc.
- The demand of the product in the country shows a positive trend whereas sales of the domestic industry at the same time show a negative trend.
- As a result of increase in imports in absolute term and relative to production and consumption, share of the domestic industry has declined.

- (viii) The export quantities of domestic industry shows continuous decrease indicating significant market share of dumped Chinese goods in the world markets.
- (ix) The performance of the domestic industry for product as consideration has deteriorated over the injury period.
- (i) ROI (NFA Basis) of the domestic industry has significantly deteriorated over the injury period. This clearly shows the price depression and suppression effect of dumped imports from China PR that has resulted in significant losses to the domestic industry.
- (ii) There has been a considerable increase in the level of inventories.
- (iii) The dumping margin from subject country is not only more than de minimis but also very substantial. The impact of dumping on the domestic industry is significant and is gradually intensifying.

E.2. Response from other interested parties

49. The following issues have been raised by the interested parties

- a) There is absence of volume injury as various volume parameters like production, sales show healthy growth.
- b) There is no price injury as Domestic Industry is operating different market segment.
- c) Domestic Industry has claimed that import prices from China PR are lower than the import prices from USA or other countries. It cannot be treated as dumped goods merely because the Chinese prices are below that of USA.

E.3. Examination by the Authority

50. The Authority has taken note of submissions made by the interested parties. Annexure II of AD Rules provides for objective examination of both (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in domestic market for the like articles; and (b) the consequent impact on domestic producers of such products. While examining the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to price effect of dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increase which would have otherwise occurred to a significant degree.

51. As regards the impact of dumped imports on the domestic industry, Para (iv) of Annexure-II of AD Rules states as under:

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."

52. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts and arguments of the interested parties.

Import, Demand, Volumes and Market share:-

53. Demand of the product in the Country has been assessed as the sum of domestic sales of the domestic producers and imports from all sources.

General remarks about Import and Basis of determination of import volumes

54. A request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of the subject goods made in India during the past three years and the period of investigation. The information received from DGCI&S was analyzed and the same was compared with the information received from the IBIS (secondary sources). It was found that the volume of imports reported in DGCI&S is significantly higher than the volume of imports reported by the petitioners on the basis of IBIS data. After detailed examination, it was considered appropriate to take into account the information from DGCI&S for the purpose of the present findings.

55. It is noted that imports of the subject goods from subject country has increased significantly in absolute terms during the injury period. Further, the market share of subject country has increased significantly during the same period as shown in the table.

		2005-06	2006-07	2007-08	POI
Imports from China	MT	5,800	12,425	16,984	38,747
Trend		100	214	293	668
Other Countries	MT	10,423	12,454	6,631	3,663
Trend		100	119	64	35
Total Imports	MT	16,223	24,879	23,615	42,409
Trend		100	153	146	261

The Authority notes that imports of the subject goods from China have shown a significant increase over the injury period. Further, imports have increased significantly in absolute terms in every successful year. Imports from other countries have, at the same time, significantly declined.

Demand

56. Demand for the product under consideration increased throughout the injury period and has grown by 62% during the injury period. Further, imports of the subject goods from subject country have increased in absolute terms during the same period. It is also noted that increase in dumped imports was more than the increase in demand.

		2005-06	2006-07	2007-08	POI Annualized
Sales (domestic) of Domestic industry	MT	31,205	34,384	41,741	48,269
Trend	Index	100	110	134	155

Export sales	MT	27856	20565	26081	16624
Trend	Index	100	73	93	59
Imports in India	MT	16223	24879	23615	28273
Trend	Index	100	153	146	174
Demand in India	MT	47,428	59,263	65,356	76,542
Trend	Index	100	125	138	162

It is noted that the demand for the product has successively increased over the injury period. Though sales of the domestic industry have also increased during the same period, increase in sales of the domestic industry is less than increase in demand in the period of investigation.

Imports in relation to various parameters

57. The Authority has analysed the trend of subject imports in relation to production and consumption in India. It is noted that imports of the subject goods increased in relation to production of the like product in India during the injury period. Further this has also increased in relation to consumption as well as sales of the domestic industry in India.

		2005-06	2006-07	2007-08	POI Annualized
Imports from China PR	MT	5,800	12,425	16,984	25,831
Trend	Index	100	214	293	445
Demand in India	MT	47,428	59,263	65,356	76,542
Trend	Index	100	125	138	161
Production in India	MT	55,707	57,766	68,202	66,078
Trend	Index	100	104	122	119
Imports as % of total imports	%	35.75%	49.94%	71.92%	91.36%
Trend	Index	100	140	201	256
Imports as % of demand	%	12.23%	20.97%	25.99%	33.75%
Trend	Index	100	171	213	276
Imports as % of Indian Production	%	10.41%	21.51%	24.90%	39.09%
Trend	Index	100	207	239	375
Imports as % of domestic industry sales		19%	36%	41%	54%
Trend	Index	100	194	219	288

Market share of domestic industry

58. The Authority has determined the market share of the domestic industry by taking into account the total demand of the subject goods and sales of the domestic industry. It is noted from the table below that the market share of the domestic industry declined by 6% during the injury period while at the same time market share of subject goods from China PR has increased by 22% during the same period. The decline in market share of the domestic industry is considered significant.

		2005-06	2006-07	2007-08	POI
Sales of Domestic industry	%	66%	58%	64%	63%
Trend	Index	100	88	97	96
China	%	12%	21%	26%	34%
Trend	Index	100	171	212	276
Other Countries	%	22%	21%	10%	3%
Trend	Index	100	95	45	14

Price effect of imports

59. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. A comparison for product concerned was made between the landed value of exported product and the average selling price of the domestic industry for domestic market net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex factory level. This comparison showed that during the period of investigation, the subject goods originating in China were sold in the Indian market at prices which were lower than the domestic industry's prices. It is thus seen that imports were undercutting the domestic prices and margin of undercutting is considered significant.

		2005-06	2006-07	2007-08	POI
Landed Price	Rs/Kg	49.59	48.59	46.97	51.69
Trend	Index	100	98	95	104
Selling Price of Domestic Industry	Rs/Kg	****	****	****	****
Trend	Index	100	112	112	100
Price undercutting	Rs/Kg	****	****	****	****
Price Undercutting %	Index	15-25	25-35	25-35	15-25

60. The Authority has also examined price depression, price suppression and price underselling if any, suffered by the domestic industry on account of dumped imports from subject country. After examination, it is determined that that the domestic Industry is forced to decrease the selling price more than the decrease in the cost of production over the injury period. The price depression is considered significant especially since 2006-07 onwards. It is also noted that the domestic industry has suffered significant price underselling during the investigation period.

		2005-06	2006-07	2007-08	POI
Net Selling Price of Domestic Industry	Rs/Kg	****	****	****	****
Trend	Index	100	112	112	100
Cost of Sales -Domestic	Rs/Kg	****	****	****	****
Trend	Index	100	118	116	105
Non Injurious Price Rs/Kg					****
Landed Price	Rs/Kg				51.69
Price underselling					****
Price underselling (%)					15-25

61. It is thus provisionally determined that whereas the costs increased by 5% in POI, the domestic industry could not increase its selling prices. It is thus noted that the dumped imports from subject country are causing price suppression. It is thus preliminarily concluded that the effect of dumped imports on the domestic industry has been adverse and significant.

Economic parameters of the domestic industry

62. Annexure II to the AD Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of like product. The Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. An examination of performance of the domestic industry reveals that the domestic industry has suffered material injury. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

(i) Production

63. The production is shown in the table below.

		2005-06	2006-07	2007-08	POI (Annualized)
Production	MT	55,707	57,766	68,202	66,078
Trend	Index	100	104	122	119
Demand	MT	47,257	58,905	65,356	79,532
Trend	Index	100	125	138	168
Capacity Utilization	%	94%	97%	98%	90%
Trend	Index	100	104	105	95

It is noted that the production has increased by 19% in POI. Further it is noted that the demand for the product has increased by 62% and the Domestic Industry had unutilized capacity in POI. Thus, Authority provisionally determines that there was a further scope for increase in production of subject goods by domestic industry during the POI.

(ii) Capacity & capacity utilization

64. The trend of capacity & capacity utilization of the domestic industry is mentioned in the table below:

		2005-06	2006-07	2007-08	POI (Annualized)
Production	MT	55,707	57,766	68,202	66,078
Trend	Index	100	104	122	119
Demand	MT	47,257	59,263	65,356	76,542
Trend	Index	100	125	138	162
Installed capacities	MT	59,300	59,300	69,300	73,667
Trend	Index	100	100	117	124
Capacity Utilization	%	94%	97%	98%	90%
Trend	Index	100	104	105	95

It is noted that the capacity utilization of the Domestic Industry has declined over the injury period, except in 2006-07 and 2007-08 when it was higher.

(iii) Domestic sales

65. The domestic sales of Domestic Industry moved as shown in table below

		2005-06	2006-07	2007-08	POI (Annualized)
Domestic Sales	MT	31,205	34,384	41,741	48,269
Trend	Index	100	110	134	155
Export sales	MT	27856	20565	26081	16624
Trend	Index	100	73	93	59
Demand	MT	47,257	59,263	65,356	76,542
Trend	Index	100	125	138	162
Sales as a % of demand	%	66.03%	58.37%	63.87%	60.69%
Changes in					
• Domestic sales	MT		3,179	7,357	6,528
• Demand	MT		11,648	6,451	14,176

It is noted that the domestic sales has increased over the injury period. Further it is noted that the demand for the product has also increased over the injury period. It is also noted that the domestic industry has significant exports sales which has declined during the injury period.

2112 GI 10-8

The domestic industry has argued that they have lost significant sales due to presence of dumped imports into the country.

(iv) Profitability

66. The profitability of the domestic industry in respect of domestic like product has been examined only in respect of domestic sales. It is seen that profitability of the domestic industry for the subject goods has significantly deteriorated in the POI

		2005-06	2006-07	2007-08	POI (Annualized)
Cost of Sales	Rs/Kg	****	****	****	****
Trend	Index	100	118	116	105
Net Sales Realization	Rs/Kg	****	****	****	****
Trend	Index	100	112	112	100
Profit/loss	Rs/Kg	****	****	****	****
Trend	Index	100	46	59	41
Profit/loss	Rs in lacs	****	****	****	****
Trend	Index	100	50	79	64

(v) Employment and Wages

67. Employment with the domestic industry and wages paid were as follows:-

		2005-06	2006-07	2007-08	POI (Annualized)
Employment	Nos	****	****	****	****
Trend	Index	100	101	104	104
Wages	Rs. Lacs	****	****	****	****
Trend	Index	100	104	117	102
Wage per employee	Rs.	****	****	****	****
Trend	Index	100.00	116.29	126.63	110.48

It is seen that the production has increased over the injury period and so the employment and wages have increased over the injury period. This parameter does not indicate any injury or otherwise to the domestic industry.

(vi) Productivity

68. Productivity of the domestic industry was as follows

		2005-06	2006-07	2007-08	POI (Annualized)
Productivity per Employee	No/M T	56	58	66	64
Trend	Index	100	104	118	114
Per day (considering 350 days production)	MT/D ay	159	165	195	189
Trend	Index	100	104	122	119

It is seen that the productivity has increased over injury period. The production has increased over the injury period and so the productivity shows a similar trend.

(vii) Return on investments and cash flow

69. The return on investment has been determined considering profit before interest and capital employed for the product. Impact on cash flow has been determined considering profit before depreciation but after interest cost. It is noted that return on capital employed have significantly deteriorated in POI.

		2005- 06	2006- 07	2007- 08	POI (Annualized)
Profit/loss	Rs./Lac s	****	****	****	****
Trend	Index	100	50	79	64
Depreciation	Rs./Lac s	****	****	****	****
Trend	Index	100	117	111	137
Cash Profit	Rs./Lac s	****	****	****	****
Trend	Index	100	90	98	108
Return on capital employed - NFA Basis	%	****	****	****	****
Trend	Index	100	39	52	51
Capacity installed	MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	100	117	124

The cash profits have seen an increase. It is noted that the while profit has significantly declined, the depreciation has increased. The capacity installed has also increased. It is noted that due to asset additions on account of increase in capacity by 24%, the depreciation has increased by ****% and the cash profits have increased by ****%.

(viii) Inventories

70. It is noted that there is significant increase in the level of inventories in the POI.

		2005-06	2006-07	2007-08	POI (Annualized)
Average Inventory	MT	3,606	5,175	5,043	8,279
Trend	Index	100	143	140	230
Average Inventory as days sales	MT	40	53	42	60
Trend	Index	100	130	105	148
Domestic sales	MT	31,205	34,384	41,741	48,269
Trend	Index	100	110	134	155

Inventories equal to number of days sales have increased during the injury period.

(ix) Growth

71. Information with respect to growth in various parameters is given in the table below. It is seen that growth in terms of volume is positive & price parameters is negative.

		2005-06	2006-07	2007-08	POI
Production	%		4%	18%	-3%
Domestic sales	%		10%	21%	16%
Inventories	%		43%	-3%	64%
Cost of sales per kg	%		18%	-1%	-10%
Selling price per kg	%		11%	0%	-12%
ROI	%		-61%	32%	-1%

Growth of the domestic industry with regard to volume parameter as reflected in production & capacity utilization became negative in period of investigation whereas the same continued to be positive in respect of domestic sales. Inventories have surged over the period. With regard to price parameters, whereas cost of sales and selling price have shown a decline trend, the growth in profits, return on investment and cash profits is negative on year on year basis.

(ix) Ability to raise capital investments

72. It is noted that the domestic industry has enhanced capacities in 2007-08 and thereafter in period of investigation, for which fresh investments have been made. It is, however, noted that the enhancement of capacity has to be seen along with significant increase in demand of the product in the country and the fact that domestic industry has been profitable in the past with regard to production and sale of the product in the Country.

73. The Petitioner has argued that given the current state of affairs where the product is consistently not performing well because of persistent dumping, substantial fresh investments cannot even be imagined. It is provisionally held that continued dumping of the product and decline in financial performance are bound to adversely impact the ability of the domestic industry to raise capital investments.

(x) Level of dumping and dumping margin

74. The dumping margin established hereinabove in respect of responding exporters and non cooperative exporters are considered significant and above the de minimis level.

F. CAUSAL LINK

75. The Authority has examined whether other factors listed under the AD Rules could have contributed to injury to the domestic industry. It was found as follows

(i) Imports from third countries.

76. The Authority has collected the transaction-wise imports data of the subject goods from DGCI&S. Imports beyond de-minimus limits had been reported only from USA. Since there are significant imports from USA, the import price from USA has been examined in detail and compared with import price from China. It is found that import prices from USA were consistently higher than import prices from China. The extent of the difference has been quite significant.

(ii) Contraction in demand

77. The Authority notes that the demand for the subject goods has shown significant improvement during the injury period. Possible contraction in demand could not have caused injury to the domestic industry.

(iii) Changes in the pattern of consumption

78. The pattern of consumption with regard to the product under consideration has not undergone any change, nor there is any quantified allegation in this regard. The investigation so far has not shown existence of alternate competing products and possible injury being caused by such alternate products.

(iv) Trade Restrictive practices of and competition between foreign and domestic producers

79. The Authority notes that there is a single market for the subject goods where dumped imports from China PR compete directly with the subject goods supplied by the domestic industry. It is noted that the imported subject goods and domestically produced goods are like articles and are used for similar applications/end uses. There is no evidence of trade restrictive practices of and competition between the foreign producers and domestic producers causing injury to the domestic industry.

(v) Developments in Technology

80. There is no allegation of developments in technology, nor the investigation so far has shown that possible injury to the domestic industry could have been caused by developments in technology.

(vi) Export performance

81. The petitioner has significant exports. However, the Authority has considered only domestic operations and domestic profitability.

(vii) Productivity of the Domestic Industry

82. There is no material change in productivity of the domestic industry. Possible decline in productivity cannot be the reason for the established injury to the domestic industry.

Effect of dumped imports

83. The Authority notes that the following parameters show that material injury to the domestic industry is due to dumped imports.

(a) The dumped imports from subject country have significantly increased over the injury period. Resultantly, the market share of the domestic industry declined. It is thus provisionally held that decline in market share of the domestic industry is directly due to increase in volume of dumped imports and its market share.

(b) Dumped imports from subject country is depressing the prices of the domestic industry. As, the domestic industry has tried to align its selling prices close to the landed prices, there has been a decline in prices more than decrease in cost of production. It is thus provisionally noted that price depression being felt by the domestic industry is due to lower prices of dumped imports from China PR and this depression has increased from 2006-07 when the volume of imports have also increased significantly.

(c) Thus, it is noted that the domestic industry is forced to decrease prices in due to presence of dumped imports in the market resulted in decline in profits and return on investment. Thus, deterioration in profits and return on investment is provisionally attributed to presence of dumped imports from subject country.

84. The Authority has determined non-injurious price for the domestic industry taking into consideration cost of production of the domestic industry. This non-injurious price of the domestic industry has been compared with the landed values of the subject imports to determine injury margin. In line with the determination of dumping margins, the injury margin has also been determined for the related companies together taking them as one entity. The injury margins have been worked out as follows:

Table showing Injury Margin

Producer	Exporter	IM	Group IM	IM%	Group IM %
M/s Shandong Taishan-PDO Glass Fiber Products Co., Ltd.	M/s Shandong Taishan-PDO Glass Fiber Products Co., Ltd.	****	****	****	22.18
M/s Shandong Taishan-PDO Glass Fiber Products Co., Ltd.	Taishan Fiberglass Inc	****		****	
M/s Taishan Fiberglass Inc. (CTG or the Company)	M/s Taishan Fiberglass Inc. (CTG or the Company)	****		****	
M/s Taishan Fiberglass Zoucheng Co., Ltd.	M/s Taishan Fiberglass Inc. (CTG or the Company)	****		****	
M/s PPG Sinoma Jinjing Fiber Glass Company, Ltd	M/s PPG Sinoma Jinjing Fiber Glass Company, Ltd	****	****	****	
M/s Changzhou New Changhai Fiberglass Co. Ltd. ("NCH"). (Producer and exporter of subject goods)	M/s Changzhou New Changhai Fiberglass Co. Ltd. ("NCH"). (Producer and exporter of subject goods)	****		****	
M/s Jushi Group Chengdu Co Ltd	M/s Jushi Group Chengdu Co Ltd	****	****	****	14.59
M/s Jushi Group Jiujiang Co. Ltd	M/s Jushi Group Jiujiang Co. Ltd	****		****	
M/s Jushi Group Co Ltd ('Jushi, Tongxiang'	M/s Jushi Group Co Ltd ('Jushi, Tongxiang'	****		****	
M/s Chongqing Polycomp International Corporation (CPIC or the Company)	M/s Chongqing Polycomp International Corporation (CPIC or the Company)	****	****	****	11.26
Others	Others	****	****	****	35.71

The level of dumping margins and injury margins as provisionally determined are considered significant.

G Conclusion on Injury and causation

85. There has been a significant increase in the volume of dumped imports from China PR at the absolute level and also in relation to demand of subject goods in India. It is noted that the market share of the dumped imports has increased and that of domestic industry has declined. The dumping margin from subject country has been provisionally determined and is considered significant. Capacity utilization of the domestic industry has declined and inventories with the domestic industry have increased. Thus, the dumped imports from subject country show adverse volume effect.

86. It is also noted that the dumped imports were undercutting the prices of the domestic industry in the market. It is also provisionally determined that the dumped imports have had significant adverse price effect in terms of price depression which in turn have led to significant deterioration in profits and return on investments. Therefore, the Authority provisionally concludes that the domestic industry has suffered material injury and such injury has been caused significantly by price and volume effects of dumped imports from the subject country.

87. The Authority therefore, provisionally holds that material injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports of subject goods from the subject country.

H. Conclusions:

88. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority provisionally concludes that:

- (a) The product under consideration has been exported to India from the subject country below Normal values.
- (b) The domestic industry has suffered material injury on account of subject imports from subject country.
- (c) The material injury has been caused by the dumped imports of subject goods from the subject country.

I. Indian industry's interest & other issues:

89. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way; and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

90. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these product. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

J. Recommendations

91. The Authority notes that the investigation was initiated and it was notified to all interested parties. Adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having provisionally established positive dumping margins as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury, pending completion of the investigation. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. It is noted that there is a significant differentiation of the product in terms of prices. Therefore, antidumping duty in terms of reference price or fixed duty would not be appropriate in this case. Therefore, Authority recommends imposition of anti-dumping measure as an ad valorem duty, to be worked out as a percentage of the CIF value of imports of the subject goods from the subject country. Accordingly, antidumping duty equal to the amount arrived at by

applying the percentage indicated in Col 9 of the duty as below is recommended to be imposed on all imports of subject goods originating in or exported from China PR from the date of the notification to be issued by the Central Government.

Duty table

Sl. N o	Hea ding / Sub hea ding	Description of goods	Specificatio n	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	% of CIF Value
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	701 9	Glass Fibre as described below (*)	Glass Fibre as described below	China PR	China PR	M/s Shandong Taishan-PDO Glass Fiber Products Co., Ltd.	M/s Shandong Taishan-PDO Glass Fiber Products Co., Ltd.	
2	701 9	Glass Fibre as described below (*)	Glass Fibre as described below	China PR	China PR	M/s Shandong Taishan-PDO Glass Fiber Products Co., Ltd.	Taishan Fiberglass Inc.	
3	701 9	Glass Fibre as described below (*)	Glass Fibre as described below	China PR	China PR	M/s Taishan Fiberglass Inc. (CTG)	M/s Taishan Fiberglass Inc. (CTG)	23.93
4	701 9	Glass Fibre as described below (*)	Glass Fibre as described below	China PR	China PR	M/s Taishan Fiberglass Zoucheng Co., Ltd.	M/s Taishan Fiberglass Inc. (CTG)	
5	701 9	Glass Fibre as described below (*)	Glass Fibre as described below	China PR	China PR	M/s PPG Sinoma Jinjing Fiber Glass Company, Ltd	M/s PPG Sinoma Jinjing Fiber Glass Company, Ltd	
6	701 9	Glass Fibre as described below (*)	Glass Fibre as described below	China PR	China PR	M/s Changzhou New Shanghai Fiberglass Co. Ltd. ("NCH")	M/s Changzhou New Shanghai Fiberglass Co. Ltd. ("NCH")	nil
7	701 9	Glass Fibre as described below (*)	Glass Fibre as described below	China PR	China PR	M/s Jushi Group Chengdu Co Ltd	M/s Jushi Group Chengdu Co Ltd	
8	701 9	Glass Fibre as described below (*)	Glass Fibre as described below	China PR	China PR	M/s Jushi Group Jiujiang Co. Ltd	M/s Jushi Group Jiujiang Co. Ltd	16.34
9	701 9	Glass Fibre as described below (*)	Glass Fibre as described below	China PR	China PR	M/s Jushi Group Co Ltd ('Jushi, Tongxiang')	M/s Jushi Group Co Ltd ('Jushi, Tongxiang')	

Sl. N o	Hea ding	Description of goods	Specificatio n	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	% of CIF Value
10	701 9	Glass Fibre as described below (*)	Glass Fibre as described below	China PR	China PR	M/s Chongqing Polycomp International Corporation (CPIC)	M/s Chongqing Polycomp International Corporation (CPIC)	12.74
11	701 9	Glass Fibre as described below (*)	Glass Fibre as described below	China PR	China PR	Others	Others	40.86
12	701 9	Glass Fibre as described below (*)	Glass Fibre as described below	China PR	Any country other than China PR	Any	Any	40.86
13	701 9	Glass Fibre as described below (*)	Glass Fibre as described below	Any country other than China PR	China PR	Any	Any	40.86

(*) Glass fibre and articles thereof, including glass roving, glass chopped strands, glass chopped strands mats. Specifically excluded from the scope of the product under consideration are glass wool, glass yarn, glass woven fabrics and chopped strands of a kind generally treated with polyeurathene or acrylic emulsion meant for thermoplastic applications, micro glass fibre used in battery separator, surface mat/surface veil/tissue.

L. Further Procedure

92. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-

- The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- Exporters, importers, the applicant and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of these Preliminary findings. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- The Authority would hold a hearing to hear the views of various interested parties orally;
- The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- The Authority would disclose essential facts as per the AD Rules before announcing final findings.

P. K. CHAUDHÉRY, Designated Authority